प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को 'जन औषधि दिवस' के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की लाभार्थी के साथ बात की है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 85 दिनांक: 08-03-2022 मंगलवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

नई दिल्ली में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर भारतीय सेना की सात चुनिंदा महिला अधिकारियों ने मीडिया से बातचीत की।

एग्जिट पोल में 4 राज्यों में भाजपा, 1 में आप की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। एग्जिट पोल के मुताबिक उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार बना रही है। वहीं, पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनती दिख रही है। गोवा में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनती दिख रही है। मणिपुर में भी भाजपा

सरकार की वापसी हो रही है। वहीं उत्तराखंड को लेकर एग्जिट पोल के नतीजे अलग-अलग हैं। उत्तर प्रदेश में आखिरी चरण का मतदान खत्म होते ही एग्जिट पोल जारी कर दिए गए हैं।

उत्तरप्रदेशः मोदी-योगी का जलवा कायम

मैट्रिज एग्जिट पोल के अनुसार, भाजपा को 45.4 फीसदी वोट शेयर के साथ 262-272 सीटें जीतने का अनुमान है। उसके बाद सपा 119-134 सीटों पर है। बसपा के खाते में 7-15 सीटें तो, कांग्रेस को 3-8 सीटें मिल सकती हैं। बता दें, ये सिर्फ अनुमान है। असली परिणाम तो 10 मार्च को आएंगे। रिपब्लिक भारत के अनुमान के मुताबिक भाजपा के खाते में 240 सीटें जा सकती हैं। वहीं सपा को 140 सीटें मिलती दिख रही हैं। बसपा को 17 सीट मिल सकती हैं। कांग्रेस खाता खोलती नजर नहीं आ रही है। इसी तरह टीवी-9 भारतवर्ष के एग्जिट पोल के अनुसार, भाजपा को 403 में से 211 से 225 सीट मिलती दिख रही है। सपा का सफर 146 से 160 सीटों पर थमता नजर आ रहा है। कांग्रेस को 4-6, तो बसपा को 14-24 सीट मिल सकती हैं। रिपब्लिक टीवी का अनुमान है कि भाजपा को 262 से 277 सीटें मिल सकती हैं। सपा को 119 से 134 सीटों से संतोष करना पड़ सकता है। बसपा के खाते में 7 से 15 सीटें मिल सकती हैं। इस सर्वे के मुताबिक भी कांग्रेस का खाता नहीं खुलेगा। वहीं मैट्रिज एग्जिट पोल के अनुसार, भाजपा को 45.4 फीसदी वोट शेयर के साथ 262-272 सीटें जीतने का अनुमान है। उसके बाद एसपी 119-134 सीटों पर है। बसपा के खाते में 7-15 सीटें तो, कांग्रेस को 3-8 सीटें मिल सकती हैं।

उत्तराखंड में भाजपा की उम्मीद, कांग्रेस से कड़ी टक्कर

एबीपी-सी वोटर के मुताबिक उत्तराखंड में कांग्रेस को 32-38 सीटें मिल सकती है, जबकि भाजपा को 26-32 सीटें मिल सकती हैं। आप को 0-2 सीटें मिल सकती हैं, जबकि अन्य के खाते में 3-7 सीटें आएंगी। टाइम्स नाउ-वीटो के मुताबिक उत्तराखंड में भाजपा को 37 सीटें, कांग्रेस को 31 सीटें और आप एवं अन्य को 1-1 सीटें मिलेंगी। आजतक-एक्सिस के मुताबिक उत्तराखंड में भाजपा को 36-46 सीटें, कांग्रेस को 20-30, बीएसपी को 02-04 और अन्य को 2-5 सीटें मिल सकती हैं। न्यूज24-चाणक्य के मुताबिक भाजपा को 43, कांग्रेस को 24 सीटें मिल सकती है। इनके सर्वे को मानें तो उत्तराखंड में भाजपा की सरकार बननी तय है।

पंजाब में आप को बहुमत का अनुमान

इंडिया टुडे और एक्सिस माय इंडिया की एग्जिट पोल के मुताबिक पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने की संभावना है। एग्जिट पोल के मुताबिक पंजाब में आम आदमी पार्टी को 76 से 90 सीटें मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस को 19 से 31 सीटें मिल सकती है। अकाली दल को 7 से 11 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। भाजपा व सहयोगी दलों को 1 से 4 सीटें मिलने की संभावना है। इस बीच पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने एग्जिट पोल के नतीजों को नकार दिया है। चन्नी ने कहा कि 10 तारीख तक चुनाव परिणाम का इंतजार करें।

गोवा में कड़ी टक्कर

एबीपी-सी वोटर के मुताबिक भाजपा को 14-17, कांग्रेस को 12-16, टीएमसी+ को 5-9 और अन्य को 0-2 सीटें मिल सकती हैं। टाइम्स नाउ-वीटो के मुताबिक गोवा में कांग्रेस को 16 सीटें, भाजपा को 14 सीटें, आप को 4 और अन्य को 6 सीटें मिलने का अनुमान है। आजतक-एक्सिस के मुताबिक गोवा में भाजपा को 14-16 सीटें, कांग्रेस को 15-20, एमजीपी को 2-5 और अन्य को 0-4 सीटें मिल सकती हैं। इन सर्वे के मुताबिक गोवा में कांग्रेस और भाजपा दोनों में कोई भी अपने दम पर सरकार बनाने की स्थिति में नहीं है।

मणिपुर में भाजपा

आजतक-एक्सिस के मुताबिक मणिपुर में भाजपा को 33-43 सीटें, कांग्रेस को 4-8, एनपीपी को 4-8 और अन्य को 6-15 सीटें मिल सकती हैं। यानी इनके सर्वे के मुताबिक मणिपुर में भाजपा एक बार फिर सत्ता में लौटती दिख रही है। एबीपी-सी वोटर के मुताबिक भाजपा को 23-27, कांग्रेस को 12-16, एनपीपी को 10-14 और अन्य को 3-7 सीटें मिल सकती हैं। ज्यादातर सर्वे बता रहे हैं कि भाजपा यहां सरकार बना सकती है। कांग्रेस काफी पीछे चल रही है और कम से कम सरकार बनाने की स्थिति में नहीं है। यानी मणिपुर में भाजपा वापस सत्ता में आ सकती है।

बेलारूस और रूस तक गलियारा बनने के रुसी प्रस्ताव को यूक्रेन ने किया मना

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन के वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को रूस के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया कि युद्धग्रस्त देश में फंसे आम लोगों को निकालने के लिए बेलारूस और रूस तक एक गलियारा बने। रूसी प्रस्ताव के अनुसार, कीव और उसके उपनगरों से भाग रहे लोगों के लिए एकमात्र विकल्प पड़ोसी बेलारूस के गोमेल जाना होगा। पूर्वी यूक्रेन के खारकीव और सूमी में फंसे लोगों को रूसी शहर बेलगोरोद जाना होगा। रूस का एक प्रमुख सहयोगी देश है बेलारूस और यूक्रेन पर आक्रमण के लिए वह एक 'लॉन्चिंग ग्राउंड' के रूप में कार्य कर रहा है। यूक्रेन की सरकार मारियुपोल के दक्षिणी बंदरगाह सहित आठ मानवीय गलियारों का प्रस्ताव कर रही है, जहां से लोग यूक्रेन के पश्चिमी क्षेत्रों में जा पाएंगे जहां रूस की ओर से कोई गोलाबारी नहीं है। यूक्रेन की उप प्रधानमंत्री ने कहा, ठहम मांग करते हैं कि रूसी संघ फ्रांस, चीन, तुर्की और भारत के नेताओं का विश्वास तोड़ना बंद करेठ

कीव के प्रतिनिधि ने संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत से रूस को यूक्रेन पर विनाशकारी आक्रमण रोकने का आदेश देने का अनुरोध किया, जिसमें रूस अनुपस्थित रहा। यूक्रेनी प्रतिनिधि एंतोन कोरीनेविच ने कहा, रूस को रोका जाना चाहिए और इसरोकने में अदालत को भूमिका निभानी हैठ अदालत के 'पीस पैलेस' मुख्यालय में 'ग्रेट हॉल ऑफ जस्टिस' में यूक्रेन के अनुरोध पर हो रही सुनवाई के दौरान रूस की सीट खाली थीं।

यूक्रेन पर हमले की निंदा करने से लगातार इनकार करते रहे चीनी विदेश मंत्री ने रूस को बीजिंग का ठसबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारठ कहा। वांग यी ने कहा कि मॉस्को के साथ संबंध ठदुनिया में सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों में से एक हैं, चाहे अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य कितना भी खतरनाक क्यों न हो। हम अपने रणनीतिक उद्देश्य को बनाए रखेंगे और नए युग में व्यापक चीन-रूस साझेदारी के विकास को बढ़ावा देंगेठ चीन ने अमेरिका, यूरोप और अन्य के साथ संबंध तोड़ लिया है जिन्होंने यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस पर प्रतिबंध लगाए हैं। उसने कहा है कि यूक्रेन में संघर्ष के लिए वाशिंगटन दोषी है।

पीएम मोदी ने पुतिन से 50 मिनट की बात, राष्ट्रपति जेलेंस्की से सीधी बातचीत करने का आग्रह

रुस की ओर से चार शहरों के लिए सीजफायर का ऐलान प्रधानमंत्री मोदी ने जेलेंस्की को कहा धन्यवाद

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन वॉर पर कूटनीतिक गलियारों से बड़ी खबर आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन संकट पर रुसी राष्ट्रपति से लंबी बातचीत की है। यूक्रेन संकट पर ये दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच दूसरी बातचीत है। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से 50 मिनट तक लंबी बातचीत की है। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ सीधी बातचीत करने का आग्रह किया है। इसपर राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन के सुमी शहर से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में सहयोग का आश्वासन दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने रूस द्वारा सीजफायर घोषणा के लिए राष्ट्रपति पुतिन की तारीफ की। इससे पहले पीएम मोदी ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात की थी। सरकार के टॉप सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार की सुबह यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से लंबी बात की है। दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच लगभग 11.30 बजे 35 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूक्रेन में पैदा हुई युद्ध की स्थिति पर चर्चा की और इसके अलग अलग आयामों पर विचार किया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने रूस और यूक्रेन के बीच जारी सीधी बातचीत की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन से भारतीय नागरिकों को निकालने में यूक्रेन सरकार द्वारा दी गई सहायता के लिए राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सुमी से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए यूक्रेन सरकार से समर्थन की मांग की।

बता दें कि भारत की चिंता सुमी शहर में फंसे अपने नागरिकों को निकालने की है। इस बीच राष्ट्रपति पुतिन ने कीव, सुमी, खारकीव और मारियूपोल में युद्ध विराम का ऐलान कर दिया हैापीएम मोदी कुछ दिन पहले ही रूस के राष्ट्रपति पुतिन से बात कर चुके हैंापीएम मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी बात की थी। इस बीच बड़ी खबर है, पीएम मोदी से रूसी राष्ट्रपति पुतिन की वार्ता के बीच रूस ने चार इलाकों में सीजफायर का ऐलान किया है। इससे यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्र-छात्राओं को भी राहत मिलेगी और जल्दी से उन्हें युद्ध क्षेत्र से निकाला जा सकेगा। खास बात यह है कि यूक्रेन के जिन चार इलाकों में रूस ने सीजफायर का ऐलान किया है उनमें राजधानी कीव के साथ-साथ मारियूपोल, खारकीव और सुमी शामिल हैं।

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव के सातवें और आखिरी चरण में 55ऱ से अधिक मतदान

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव के सातवें और आखिरी चरण में सोमवार को 55ऱ से अधिक मतदान हुआ है। वोटिंग सुबह सात बजे से शुरू हुई, चाकिया (चंदौली), रॉबर्ट्सगंज और दुधी (सोनभद्र) सीटों पर यह शाम 4 बजे समाप्त हो गया जबकि बाकी क्षेत्रों में यह शाम 6 बजे तक जारी रहा। मतदान का प्रतिशत 55.13ऱ रहा, वोटिंग का अंतिम आंकड़ा मंगलवार को उपलब्ध होगा। सातवें चरण में आज आजमगढ़, मऊ, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, भदोही और सोनभद्र सहित नौ जिलों की कुल 54 विधानसभा सीटों पर वोट डाले गए। शाम 5 बजे तक 54.18ऱ वोटिंग हुई थी। वोटिंग पूरी होने के साथ ही अब सबकी नजर 10 मार्च को आने वाले परिणामों पर लगी हुई है। यूपी, पंजाब, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में मतगणना 10 मार्च को होगी। प्रधानमंत्री मोदी के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी और अखिलेश यादव के लोकसभा क्षेत्र आजमगढ़ में भी आज वोटिंग हुई। 2017 में बीजेपी ने 54 सीटों में 36 सीटें जीती थीं। वहीं सपा ने 2017 में 11 सीटें जीती थीं। मायावती ने भी 6 सीटें जीती थीं। वाराणसी में सभी पार्टियों के बड़े नेताओं ने प्रचार किया था। यहां पर पीएम मोदी, प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान जनता से वोट मांगते दिखे।

इस चरण में कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। इस चरण में भाजपा का साथ छोड़कर इस बार सपा से गठबंधन कर चुनाव लड़ रहे सुभासपा अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश राजभर (जहूराबाद-गाजीपुर), गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी (मऊ सदर) तथा बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह (मल्हनी-जौनपुर) की उम्मीदवारी वाली सीट पर भी वोट डाले जाएंगे।

श्रीनगर में आतंकियों ने ग्रेनेड से किया अटैक, 2 की मौत, 35 घायल

जम्मू-कश्मीर (ईएमएस)। श्रीनगर में आतंकवादियों ने ग्रेनेड से हमले किए। हमले में 2 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 35 से ज्यादा लोग घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक घायल की मौत रविवार को हुई थी, जबकि एक की मौत सोमवार को हुई। पुलिस अधिकारियों की माने तब शाम चार बजकर 20 मिनट पर आतंकवादियों ने हरि सिंह हाई स्ट्रीट पर तैनात पुलिस और सुरक्षाबलों पर एक ग्रेनेड से हमला किया। वहीं हमले में घायल हुई 19 साल की एक लड़की की मौत सोमवार हो गई। एक मृतक की पहचान मोहम्मद असलम मखदूमी (70) के रूप में की गई है, जो शहर के नौहट्टा इलाके का निवासी था। अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर के हजरतबल निवासी नजीर अहमद टिंडा की बेटी राफिया ने आज सुबह अस्पताल में दम तोड़ दिया।

मध्य कश्मीर रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सुजीत कुमार ने कहा कि रविवार को अमीरा कदल श्रीनगर के पास व्यस्त स्थान पर एक ग्रेनेड फेंका गया। एक सवाल के जवाब में डीआईजी ने कहा कि यह सुरक्षा में कोई चूक नहीं है। उन्होंने कहा, ठहमें सीसीटीवी फुटेज मिले हैं, और कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैंठ डीआईजी ने कहा कि अभी तक किसी भी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है और पुलिस हमलावरों को पकड़ने के लिए सुराग पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि व्यस्त स्थानों पर हमले रोकने के लिए पुलिस कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि हम इस एक चलन नहीं बनने देने वाले है। उन्होंने कहा कि श्रीनगर समेत पूरे कश्मीर में सुरक्षा एक चुनौती है.

वहीं राज्यपाल मनोज सिन्हा ने हमले की निंदाकर कहा कि सरकार आतंक के पारिस्थितिकी तंत्र को तोड़ने और पड़ोसी देश के मंसूबों को नाकाम करने के प्रति संकल्पित है। सिन्हा ने ट्वीट किया, मैं श्रीनगर में किये गए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। निर्दोष नागरिक की मौत पर उसके परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। हम आतंक के पारिस्थितिकी तंत्र को तोड़ने और पड़ोसी देश के मंसूबों को नाकाम करने के प्रति संकल्पित हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने एक बयान में इस हमले की निंदा की।

राज्यसभा की 13 सीटों पर 31 मार्च को होंगे चुनाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। राज्यसभा की 13 सीटों के लिए 31 मार्च को चुनाव होंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को इसकी घोषणा की। जिन 13 सीटों पर चुनाव होना है, वे पंजाब, केरल, असम, हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा और नगालैंड की सीटें हैं आगामी 31 मार्च को राज्यसभा की 13 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव होना है। 6 राज्यों के लिए 13 सीटों पर होने वाले इस चुनाव में राज्यवार आंकड़ा इस प्रकार से है। पंजाब में पांच, केरल में तीन, असम में दो और हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा और नागालैंड में एक-एक सीट के लिए वोटिंग होनी है। गौरतलब है कि इस महीने सांसद एके एंटनी, आनंद शर्मा और प्रताप सिंह बाजवा राज्यसभा से रिटायर हो रहे हैं।

नवाब मलिक को दाऊद से जुड़े केस में 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

मुंबई (ईएमएस)। धनशोधन (मनीलांडिंग) मामले में महाविकास अघाड़ी सरकार के मंत्री एवं राकांपा नेता नवाब मलिक को मुंबई की विशेष पीएमएलए अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह मामला दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा हुआ है। गिरफ्तार महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक को कोर्ट की तरफ से 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। आज शाम को उन्हें ईडी की कस्टडी से मुंबई की आर्थर रोड जेल में शिफ्ट किया जाएगा। मलिक को ईडी ने 23 फरवरी को दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था।

गौरतलब है कि इससे पहले ईडी ने राज्य के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मलिक से मुंबई अंडरवर्ल्ड से जुड़े धन शोधन के एक मामले में पूछताछ की थी। मलिक ईडी कार्यालय पहुंचे और वहां 'धन शोधन निवारण अधिनियम' (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज किया गया। अंडरवर्ल्ड संबंधी गतिविधियों, सम्पत्ति की अवैध रूप से कथित खरीद-फरोख्त तथा हवाला लेनदेन के संबंध में ईडी ने 15 फरवरी को मुंबई में छापेमारी की थी और एक नया मामला दर्ज किया था, जिसके बाद मलिक से पूछताछ की गई। जिसके बाद मलिक को 23 फरवरी को दाऊद इब्राहिम और अंडरवर्ल्ड से जुड़े एक मामले में जांच के बाद गिरफ्तार कर लिया। फिर आरोपी को पीएमएलए कोर्ट में पेश किया गया। जहां ईडी की तरफ से नवाब मलिक की 14 दिनों की रिमांड मांगी गई थी कोर्ट ने 8 दिन के लिए नवाब मलिक को ईडी की रिमांड पर भेज दिया था।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि पार्टी के नेता और राज्य सरकार में मंत्री नवाब मलिक की गिरफ्तारी ''राजनीति से प्रेरित'' बताया। उन्होंने कहा कि मुसलमान होने के कारण मलिक का नाम अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जोड़ा जा रहा है। पवार ने मलिक के इस्तीफे की विपक्ष की मांग भी खारिज कर दी। राकांपा प्रमुख ने कहा, 'मलिक की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है। उनका नाम दाऊद इब्राहिम से इसलिए जोड़ा जा रहा है क्योंकि वह मुसलमान हैं। मलिक और उनके परिवार के सदस्यों को जानबूझ कर परेशान किया जा रहा है, लेकिन हम इसके खिलाफ लड़ेंगे।

जनता ने सोच समझ के वोट दिया होगा वही लेगी सही निर्णय : प्रियंका गांधी

-यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में चुनाव के लिए वोटिंग प्रक्रिया पूरी, नतीजे 10 मार्च को आएंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में सोमवार 7 मार्च को अंतिम चरण के लिए मतदान संपन्न हो गया। इसी के साथ यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में आज चुनाव के लिए वोटिंग प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आएंगे। लेकिन आज मतदान के बाद शाम को एग्जीट पोल आएंगे। इनसे काफी हद तक साफ हो जाएगा कि किस राज्य में किसकी सरकार बन रही है। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर 7 चरणों में चुनाव हुई हैं, जबकि पंजाब (117 सीट), गोवा (40 सीट), उत्तराखंड (70 सीट) में एक चरण में चुनाव हुए थे। वहीं, मणिपुर की 60 सीटों पर दो फेज में चुनाव हुए हैं।

उत्तर प्रदेश चुनाव पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि जनता जिस तरह से चुनाव में मतदान कर रही है और भाजपा के नेताओं को आइना दिखा रही है उससे साफ है कि सपा की सरकार आ रही है। भाजपा के नेताओं में परेशानी और चिंता से साबित होता है कि वहां (उत्तर प्रदेश में) समाजवादी पार्टी जीत रही है। बता दें कि आज यूपी में आखिरी चरण की वोटिंग चल रही है। उत्तराखंड में इस बार 632 उम्मीदवार मैदान में हैं। एडीआर ने इनमें से 626 उम्मीदवारों का विश्लेषण किया है। इनमें से 17 फीसदी यानी 107 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। सबसे ज्यादा कांग्रेस ने 23 दागी उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। वहीं, बीजेपी के 13, आप के 15, बीएसपी के 10 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

उत्तर प्रदेश में सभी 403 सीटों पर कुल 4442 उम्मीदवार मैदान में हैं। एडीआर ने इनमें से 4406 सीटों का विश्लेषण किया है। इन 4406 उम्मीदवारों में से करीब 26 फीसदी यानी 1142 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। यूपी में 7वें चरण के लिए आज मतदान हो रहा है। एक बजे तक 35.51 प्रतिशत वोटिंग हुई है।

दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा, पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बन रही है। जनता ने किसे कितने वोट दिए हैं इसका असली एग्जिट पोल 10 मार्च को सामने आएगा। उधर, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी सोमवार को जयपुर पहुंची। इस दौरान चुनाव नतीजों को लेकर उन्होंने कहा, जनता ने सोच समझ के वोट दिया होगा। जनता सही निर्णय लेगी। चुनाव के नतीजे आने दीजिए फिर देखते हैं क्या परिस्थितियां बनती हैं।

रूस की तेल कंपनियां भारत को भारी छूट पर कच्चा तेल देने को तैयार!

-रूस की मौजूदा भाव के मुकाबले 25 से 27 फीसदी कम दाम पर कच्चा तेल देने की पेशकश

मुंबई (ईएमएस)। रूस की तेल कंपनियां भारत को भारी छूट पर कच्चा तेल देने को तैयार हो गई हैं। बशर्ते भुगतान स्विफ्ट के बजाय किसी और व्यवस्था से हो। जानकारी के मुता?बिक यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद यूरोपीय संघ और अमेरिका ने रूस के कारोबार तथा व्यापार पर सख्त प्रतिबंध लगा दिए हैं, इस?लिए रूस भारी छूट पर भारत को कच्चा तेल देने को तैयार हो गया है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रूस की तेल कंपनियों ने मौजूदा भाव के मुकाबले 25 से 27 फीसदी कम दाम पर कच्चा तेल देने की पेशकश की है। रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्थ भारत को कच्चा तेल देती है। पिछले साल दिसंबर में रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान रोसनेफ्थ और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने 2022 के अंत तक 20 लाख टन तेल की आपूर्ति का करार किया था। एशिया से तेल आयात पर निर्भरता घटाने के प्रयास के तहत भारत रूस और अमेरिका से कच्चा तेल आयात करने पर जोर दे रहा है। एक सूत्र ने कहा कि रूस की तेल कंपनियों की कीमतों में भारी छूट की पेशकश आकर्षक है। हालांकि अभी इसका कोई संकेत नहीं दिया गया है कि भुगतान किस तरह किया जाएगा। ब्लूमबर्ग की एक खबर के मुताबिक रूस की प्रमुख कंपनी ने प्रतिबंध से ठीक पहले की तारीख के भाव से 11.60 डॉलर प्रति बैरल कम भाव पर कच्चे तेल की आपूर्ति का प्रस्ताव दिया है। हालांकि खरीदारों ने बोली नहीं लगाई है क्योंकि संभावित प्रतिबंध की आशंका से वे कारोबार करने से परहेज कर रहे हैं। भारतीय बैंकों ने पश्चिमी देशों द्वारा स्विफ्ट पर लगी पाबंदी के उल्लंघन के डर से रूस को धन भेजना बंद कर दिया है।

अमेरिका और यूरोपीय संघ ने रूस के कई बैंकों को स्विफ्ट से बाहर कर दिया है। सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक उद्योग और बैंकों से वैकल्पिक भुगतान व्यवस्था पर चर्चा कर रहे हैं ताकि आयातकों को भुगतान किया जा सके। बैंकों ने रुपया और रूबल में व्यापार की अनुमति देने का सुझाव दिया है मगर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। भारत रूस से काफी कम तेल आयात करता है और अपनी जरूरत का 70 फीसदी कच्चा तेल ओपेक देशों से खरीदता है। 2021 में भारत ने रोजाना 42 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात किया था, जो कोविड से पहले के आयात की तुलना में कम है। नोमुरा के अनुसार रूस-यूक्रेन-बेलारूस के साथ भारत का सीधे तौर पर कारोबार काफी कम (कुल निर्यात का 1 फीसदी और कुल आयात का 2.1 फीसदी) है लेकिन कुछ खास उत्पादों की आपूर्ति पर निर्भरता काफी अधिक है। खनिज ईंधन के मामले में इसकी हिस्सेदारी 2.8 फीसदी है लेकिन मूल्य के लिहाज से परोक्ष निवेश काफी अधिक है। नोमुरा ने ग्राहकों के नोट में कहा है, 'सरकार खाद्य तेल और उर्वरकों के वैकल्पिक आयात स्रोतों की संभावना तलाश रही है। रुपया-रूबल कारोबार पर भी विचार-विमर्श किया जा रहा है। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद कच्चे तेल का दाम 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। भारत अपनी जरूरत का 80 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में इसके दाम बढ़ने से खजाने पर बोझ बढ़ेगा। जेपी मॉर्गन ने साल के आ?ख़िर तक कच्चे तेल के दाम 185 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने का अनुमान लगाया है।

कार्टून कोना

गोलियां लगने से घायल हरजोत सिंह सहित 210 भारतीय छात्र पोलैंड से भारत पहुंचे

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन से निकलने के दौरान गोलियां लगने से घायल भारतीय हरजोत सिंह सहित 210 भारतीय छात्र पोलैंड से भारत पहुंच चुके हैं। छात्रों को लेकर ण17 ग्लोब मास्टर विमान भारत पहुंचा। पोलैंड से ऑपरेशन गंगा के तहत यह आखिरी विमान है। इस विमान में जंग के दौरान गोली लगने से घायल हुए भारतीय छात्र हरजोत भी शामिल है। केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने कहा, 'हरजोत की स्थिति स्थिर है (हालचाल ठीक है)। उसे रिसर्च एंड रेफेरल हॉस्पिटल ले जाया गया है। गोलियों का इलाज कैसे किया जाता है इसके बार में सैन्य बलों से बेहतर कोई नहीं जानता। उसे वापस लाने में देर हुई क्योंकि एयरपोर्ट पर हमला हुआ था लेकिन यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास अंततः व्यवस्था करने में सफल हो गया। '

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब तक 3 हजार से ज्यादा बच्चों को वहां से निकाल लिया गया। आज जितने बच्चे हम ला सकते थे, ले आए। आगे भी बच्चों को लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन गंगा की समाप्ति पोलैंड में हुई हो, ऐसी घोषणा नही की जा रही है। जब बच्चे हमारे पास आना बंद हो जाएंगे, हम ऑपरेशन समाप्त घोषित कर देंगे।

कांग्रेस बोली- युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सरकार का कर्तव्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन-रूस जंग से बिगड़ते हालात के मद्देनजर वहां फंसे सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए सारे प्रयास करने को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार से कहा कि उसका कर्तव्य है तथा अतीत में भी ऐसे हालात में पूर्ववर्ती सरकारों ने सफल अभियान चलाए थे। देश की मुख्य विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि रूस, यूक्रेन और नाटो को बातचीत जरिए तत्काल शांति बहाल करना चाहिए तथा सभी मुद्दों का स्थायी समाधान निकालना चाहिए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, 'कांग्रेस पार्टी यूक्रेन में सैन्य संघर्ष बढ़ने को लेकर आशंकित और दुखी है। निर्दोष लोगों के मारे जाने, बड़े पैमाने पर तबाही होने, लोगों का बड़े स्तर का पलायन और मानवीय त्रासदी का विकराल रूप लेना अस्वीकार्य है।'

उसने कहा, 'हम युद्ध क्षेत्र में फंसे हुए हजारों भारतीय छात्रों एवं नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बहुत चिंतित हैं।' बयान में कहा गया है, 'कांग्रेस पार्टी अपील करती है कि सभी तरह की शत्रुता को तत्काल खत्म किया जाए और लोगों की सुरक्षित निकासी के लिए भौगोलिक रूप से तय मानवीय गलियारा बनाया जाए जिसका दोनों पक्ष सम्मान करें।' उसने आह्वान किया कि रूस, यूक्रेन और नाटो को गंभीर संवाद करना चाहिए ताकि शांति बहाल हो सके और सभी मुद्दों का स्थायी समाधान निकाला जा सके। कांग्रेस ने जोर देकर कहा, 'यह भारत सरकार का कर्तव्य है कि हमारे सभी नागरिकों को वापस लाने के लिए सारे प्रयास किए जाएं। यह स्मरण करना आवश्यक है कि भारत ने अतीत में खाड़ी युद्ध के दौरान, लेबनान, लीबिया और इराक से भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए अपनी वायुसेना और नौसेना के माध्यम से सफल व्यापक अभियान चलाया और साथ ही किसी दलीय दुष्प्रचार में भी नहीं पड़ा।'

उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बात की और करीब 35 मिनट तक चली इस वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने पूर्वी यूरोपीय देश यूक्रेन में उभरती परिस्थितियों पर चर्चा दोनों नेताओं के बीच बात ऐसे समय में हुई है, जब रूस के हमले का सामना कर रहे यूक्रेन से छात्रों समेत अपने नागरिकों को निकालने के लिए भारत हर संभव प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी आज रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से भी बात करेंगे।

जन औषधि केंद्रों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा विशाल मध्यवर्ग : मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को 'जन औषधि दिवस' के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की लाभार्थी के साथ बात की है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि मध्यम वर्ग की आमदनी का बड़ा हिस्सा दवाओं पर खर्च होता है।

उन्होंने कहा यदि दवाएं सस्ती होंगी तो सभी को लाभ होगा। इसलिए मध्यम वर्ग इसको आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया भी मौजूद हैं। इस दौरान उन्होंने बिहार की महिला से बात कर उनसे इस बारे में जानकारी हासिल की। महिला ने बताया कि जन औषधि केंद्र से मिली दवाओं के चलते उन्हें काफी फायदा हो रहा है। ये सस्ती होने के साथ-साथ गुणवत्ता में भी अच्छी है।

वहीं ओडिशा के सुरेश ने बताया उन्हें भी इससे काफी फायदा हुआ है। हर माह दवाओं पर खर्च होने वाला करीब दो से ढाई हजार रुपया अब बच जाता है। पीएम मोदी ने उनसे पूछा कि वह ऐसी दवाओं के बारे में बताएं, जो दवाएं उन्हें जन औषधि केंद्र पर नहीं मिलती हैं। इसके जवाब में उन्होंने बताया कि ऐसी कोई दवाई नहीं है, जो वहां पर नहीं मिलती हैं।

बता दें कि जेनेरिक दवाओं के उपयोग और जन औषधि परियोजना के लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 1 मार्च से पूरे देश में जन औषधि सप्ताह मनाया जा रहा है। इस सप्ताह जन औषधि संकल्प यात्रा, मातृ शक्ति सम्मान, जन औषधि बाल मित्र, जन औषधि जन जागरण अभियान, आओ जन औषधि मित्र बने और जन औषधि जन आरोग्य मेला जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

जन हितैषी

जवानों में तनाव

सुरक्षाबलों में बढ़ते तनाव की एक और घटना सामने आई है। पंजाब के अमृतसर जिले में बीएसएफ हेडक्वार्टर में रविवार सुबह एक जवान ने मेस में ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। फायरिंग में 4 जवानों की मौत हो गई और 2 गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं फायरिंग करने वाले जवान ने कुछ समय बाद खुद को भी गोली मार ली। अस्पताल ले जाते हुए उसकी भी मौत हो गई। फायरिंग की वजह डयूटी का विवाद बताया जा रहा है। जवानों द्वारा साथियों पर फायरिंग की यह पहली घटना नहीं है। कभी-कभार इस तरह के हादसे सामने आते रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर जवानों में इस तरह की हिंसक प्रवृत्ति जन्म कैसे ले लेती है जो वे अपने ही साथियों के हत्यारे बन जाते हैं। इस कारण की पड़ताल के लिए सीआरपीएफ ने एक ड्राइव चलाई थी, जिसमें जवानों से बात की गई। बातचीत में सामने आया कि दूरदराज के क्षेत्रों में तैनाती, लंबे समय से परिवार से दूरी, त्योहारों के समय अपनों की याद। ऐसी तमाम वजहें हैं जो जवानों को ऐसा कदम उठाने पर मजबूर कर देती हैं। जवानों को ऐसे हालात से बचाने के लिए विभिन्न उपायों की खोज की जा रही है। हालांकि अभी बहुत बेहतर उपाय मिल नहीं सके हैं। हथियारों की आसानी से मौजूदगी इन मामलों का सबसे घातक पहलू है। सभी पैरामिलिट्री फोर्स के जवान हैं और उनके पास हथियार भी हैं। ऐसे में वह खुद को या अन्य साथियों को गोली मार देते हैं। आमतौर पर आत्महत्या की प्रवृत्ति उन जवानों में सर्वाधिक देखी जाती है जो सीमा पर पहरा देते हैं या जोखिम भरे क्षेत्रों में काम करते हैं। अक्सर इन कार्यों में जवानों को अपनी जान भी गंवानी पड़ती है। आंकड़ों पर गौर करें तो भारत-पाक सीमा पर गोलीबारी, आतंकवादी और उग्रवादी गतिविधियों के कारण पिछले तीन वर्षों में सुरक्षा बलों के तकरीबन चार सौ से अधिक जवानों ने जान गंवाई है। इनमें सबसे अधिक जवान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के शहीद हुए हैं। इस बल ने 2015 से 2017 के दरम्यान 167 जवानों को खोया है। अपने साथी जवानों की शहादत को देख कर अन्य जवानों का विचलित होना स्वाभाविक है। मनोवैज्ञानिकों की मानें तो इनमें से कुछ जवान अवसाद में चले जाते हैं। गृह मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में जवानों की आत्महत्या और अवसाद के कई कारण गिनाए थे, जिसकी वजह से पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न अर्धसैनिक बलों के चार सौ से अधिक जवानों ने आत्महत्या की और साथ ही अपने साढ़े तीन दर्जन से अधिक साथियों को निशाना बनाया। ध्यान दें तो आत्महत्या और साथियों को निशाना बनाने के अलावा बड़ी संख्या जवान नौकरी भी छोड़ रहे हैं। इसका मतलब साफ है कि जवान अपनी नौकरी की सेवा शर्तों को लेकर बहुत संतुष्ट नहीं हैं। सुरक्षा बलों में उच्चाधिकारियों को ऐसे मामलों पर गंभीरता से विचार करना ही होगा क्योंकि अगर वह ऐसी हरकतें करने लगे तो उससे सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। विषम परिस्थितियों में काम कर रहे जवानों के लिए अनुकूल वातावरण बनाना आवश्यक है क्योंकि काम का बोझ, परिजनों से दूरी, सुविधाओं तथा मनोरंजन का अभाव जवानों में तनाव का कारण बन रहे हैं। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को कुछ ऐसे कार्यक्रम करने चाहिए जिससे जवानों को मानसिक तनाव दूर करने में मदद मिल सके। इसके लिए योग काफी मुफीद साबित हो सकता है। आज के समय में योग केवल सेना ही नहीं बल्कि अर्धसैनिक बलों की गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण अंग बनता जा रहा है। बोझ से दबे जवानों को छुट्टी देने की प्रक्रिया को भी सरल बनाना जरूरी है। इसके अलावा यूनिटों में इस प्रकार का माहौल बनाया जाए कि जवानों को घर जैसा वातावरण लगे और वे अकेलापन महसूस न करे। इतना ही नहीं समय-समय पर जवानों का मेडिकल चेकअप करवाया जाए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। आमतौर पर अर्धसैनिक बलों के उच्चाधिकारी यह दलील देते हैं कि जवानों में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति का मूल कारण उनका पारिवारिक तनाव है, न कि नौकरी के दौरान उपजने वाला मानसिक दबाव। इसमें कोई दो राय नहीं कि जवानों के आत्महत्या करने और नौकरी छोड़ने के पीछे पारिवारिक तनाव बड़ा कारण है। लेकिन दूसरे कारण भी हैं जो जवानों को विचलित करते रहते हैं। सच तो यह है कि नौकरी की कठिन सेवा शर्तें भी जवानों की परेशानी और आत्महत्या की बड़ी वजह है। कुछ वर्षों से सेना द्वारा नौकरी की सेवा-शर्तें एवं वेतन में व्याप्त विसंगतियों को लेकर सवाल उठाया जाता रहा है। कठिन सेवा शर्तें कई किस्म की परेशानियां खड़ी कर रही हैं।

यूक्रेन: चीन की चतुराई

इस समय सारी दुनिया का ध्यान यूक्रेन पर लगा हुआ है लेकिन इस संकट के दौरान चीन की चतुराई पर कितने लोगों ने ध्यान दिया है? इस समय पिछले कुछ वर्षों से चीन और अमेरिका के बीच भयंकर अनबन चल रही है। चीन पर लगाम लगाने के लिए अमेरिका ने चार ब्रश्क्ह्ह– भारत, आस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका का चौगुटा (क्वाड) खड़ा कर लिया है। 'आकुस' का सैन्य संगठन पहले से बना ही हुआ है। चीनी-अमेरिकी व्यापार, ताइवान और दक्षिण चीनी समुद्र के सवाल पर इन दोनों देशों में तनातनी चल रही है। चीन में हुए ओलंपिक खेलों का भी अमेरिका और उसके साथी राष्ट्रों ने बहिष्कार किया है लेकिन इन सब चीन-विरोधी हरकतों के बावजूद यूक्रेन के सवाल पर जब-जब वोट देने का सवाल आया, चीन ने कभी भी अमेरिकी प्रस्ताव के विरुद्ध वोट नहीं दिया। उसने भारत की तरह तटस्थता दिखाई। परिवर्जन (एब्सटेन) किया। क्यों किया? क्या वह अमेरिका से डरता है? नहीं! उसे अमेरिका से कोई डर नहीं है। वे आर्थिक और सामरिक दृष्टि से भी अमेरिका के मुकाबले सीना तानकर खड़ा हो सकता है। वह अमेरिका के लिए रूस से कई गुना बड़ा खतरा बन सकता है। आजकल चीन और रूस का संबंध वैसा कटु नहीं है, जैसे माओ और ख्रुश्चौफ के जमाने में था। आजकल ये दोनों राष्ट्र गलबहियां डाले हुए हैं। चीन की फौज और अर्थव्यवस्था इस समय इतनी बड़ी है कि चीन जब चाहे रूस की सहायता कर सकता है। चीन और रूस शांघाई सहयोग संगठन के सदस्य भी हैं। इसके बावजूद यूक्रेन के सवाल पर चीन ने कभी रूस के समर्थन में वोट नहीं दिया। जब भी सुरक्षा परिषद, महासभा या मानव अधिकार परिषद में यूक्रेन का मामला उठा तो उसने खुलकर रूस के समर्थन में एक शब्द भी नहीं बोला। इस सावधानी का रहस्य क्या है? वह भारत की तरह तटस्थ क्यों हो गया है? भारत की तो मजबूरी है, क्योंकि रूस और अमेरिका, दोनों के ही भारत से अच्छे संबंध हैं। यों भी भारत अपनी गुट-निरपेक्षता या तटस्थता के लिए जाना जाता रहा है। चीन की तटस्थता का जो रहस्य मुझे समझ में आता है, वह यह है कि वह रूस के इस अतिवादी कदम का समर्थन करके दुनिया में अपनी छवि खराब नहीं करवाना चाहता है। वह अपने आप को विश्व की महाशक्ति मनवाना चाहता है। इतना काफी है कि वह रूस का विरोध नहीं कर रहा है। दूसरी बात यह है कि अमेरिका के साथ वह अपने दरवाजे खुले रखना चाहता है। यदि वह रूस का अंध-समर्थन करने पर उतारु हो जाता तो चौगुटे के चारों देशों और यूरोपीय राष्ट्रों के साथ चल रहा उसका अरबों-खरबों डॉलर का व्यापार भी चौपट हो सकता था। चीन इस समय दुनिया का सबसे बड़ा व्यापारी देश है। इसीलिए वह महाजनी बुद्धि से काम कर रहा है। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

08 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

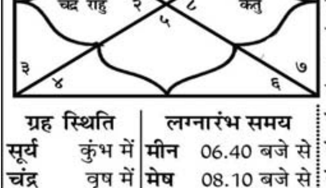

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.40 बजे से
चंद्र	वृष में	मेष	08.10 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	09.50 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.48 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	14.02 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	16.18 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	18.30 बजे से
राहु	वृष में	तुला	20.40 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	22.55 ब.से
राहुकाल		धनु	01.11 बजे से
3.00 से 4.30		मकर	03.16 बजे से
बजे तक		कुंभ	05.03 बजे से

मंगलवार 2022 वर्ष का 67 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** षष्ठी 00.32 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** कृत्तिका अहोरात्र। **योग** वैधृति 00.27 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 11.28 बजे तदनन्तर तैतिल 00.32 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 05.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 04° 59'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871181
जूलियन दिन 2459646.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सावान
तारीख 04
विशेष स्कन्द षष्ठी, मासिक कार्तिगाई, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सार्थक हो महिला हितो की बात

महिलायें आज हर क्षेत्र में पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर अपनी ताकत का अहसास करवा रही है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में रहने वाली महिलाओं के लिये कुछ अच्छी खबरें सुनने को मिली है। 2019 के चुनाव में लोकसभा में महिला सांसदो की संख्या बढकर 78 हो गयी है। जो अब तक की सबसे ज्यादा 14.36 प्रतिशत हैं। सेना में महिलाओं को स्थाई कमीशन मिलने से अब सेना में महिलायें भी पुरूषों के समान पदों पर काम कर पायेगी। इससे महिलाओं का मनोबल बढ़ेगा। उनके आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होगा। महिलाओं के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिये हर वर्ष 8 मार्च को विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी महिलाओं के अधिकार को बढ़ावा और सुरक्षा देने के लिए दुनियाभर में कुछ मापदंड निर्धारित किए हैं।

स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्ष बाद भी भारत की 70 प्रतिशत महिलाएं अकुशल कार्यों में लगी हैं। जिस कारण उनको काम के बदले कम मजदूरी मिलती है। पुरुषों की तुलना में महिलाएं औसतन हर दिन छः घण्टे ज्यादा काम करती हैं। चूल्हा-चौका, खाना बनाना, सफाई करना, बच्चों का पालन पोषण करना तो महिलाओं के कुछ ऐसे कार्य हैं जिनकी कहीं गणना ही नहीं होती है। दुनिया में काम के घण्टों में 60 प्रतिशत से भी अधिक का योगदान महिलाएं करती हैं। जबकि उनका सम्पति पर मात्र एक प्रतिशत ही मालिकाना हक हैं।

कहने को तो सम्पूर्ण विश्व की महिलाएं एकजुट होकर महिला दिवस को मनाती हैं। मगर हकीकत में यह सब बाते सरकारी दावों व कागजो तक ही सिमट कर रह जाती है। देश की अधिकांश महिलाओं को तो आज भी इस बात का पता नहीं है कि महिला दिवस का मतलब क्या होता है। महिला दिवस कब आता है कब चला जाता है। भारत में अधिकतर महिलायें अपने घर-परिवार में इतनी उलझी होती है कि उन्हे बाहरी दुनिया से मतलब ही नहीं होता है। लेकिन इस स्थिति को बदलने का बीड़ा महिलाओं को स्वयं उठाना होगा। जब तक महिलायें स्वयं अपने सामाजिक स्तर व आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं करेगी तब तक समाज में उनका स्थान गौण ही रहेगा।

आज 21वीं सदी में भी महिला घरेलू हिंसा से मुक्त नहीं हो पाई हैं। आज मानव आधुनिक व वैज्ञानिक होने का दावा अवश्य कर रहा है। लेकिन लिंग भेद की मानसिकता से अभी तक उबर नहीं पाया है। भारतीय समाज में सदियों से स्त्रियों को सत्ता, सम्पत्ति और प्रतिष्ठा से वंचित रखा गया। भारतीय संविधान में नारी समाज को सामाजिक न्याय के दायरे में रखा गया। फिर भी भारतीय महिलाओं को संविधान के अनुरूप न्याय नहीं मिल पा रहा है।

दुख की बात यह है कि नारी सशक्तिकरण की बातें और योजनाएं केवल शहरों तक ही सिमटकर रह गई हैं। एक ओर शहरों में रहने वाली महिलाएं शिक्षित, आर्थिक रुप से स्वतंत्र हैं जो पुरुषों के अत्याचारों का मुकाबला करने में सक्षम है। वहीं दूसरी तरफ गांवों में रहने वाली महिलाओं को तो अपने अधिकारो का भी पूरा ज्ञान नहीं हैं। वे चुपचाप अत्याचार सहती रहती है और सामाजिक बंधनों में इस कदर जकड़ी है कि वहां से निकल नहीं सकती हैं।

भारत में ऐसी केवल 24 प्रतिशत महिलाएं हैं जिनके हाथ में सीधे तौर पर नगद मजदूरी आती है। ज्यादातर मामलों में महिला के पति या पिता ही मजदूरी ले लेते हैं। असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करने वाली महिलाओं को तो पुरूषो के बराबर काम करने पर भी पुरूषों से कम मजदूरी देकर उनके साथ भेदभाव किया जाता है। मगर मजबूरीवश वे विरोध नहीं कर पाती हैं। महिलाओं के लिए नियम-कायदे और कानून तो खूब बना दिये हैं किन्तु उन पर हिंसा और अत्याचार की घटनाओ में अभी तक कोई कमी नहीं आई है।

भारत में 70 फीसदी महिलाएं किसी न किसी रूप में कभी न कभी हिंसा का शिकार होती हैं। महिलाओं के साथ बलात्कार, हिंसा की घटनाओं में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। देश को आजाद हुये कई वर्ष बीत जाने के उपरान्त भी महिलायें अभी तक स्वंय को असुरक्षित महसूस करती है। महिलायें आज भी अपनी मान मर्यादा की रक्षा को लेकर संघर्षरत नजर आती है। देश की अधिकांश महिलाओं को आज भी इस बात का पता नहीं है कि महिला दिवस कब आता है व इसका मतलब क्या होता है। हमारे देश की अधिकतर महिलायें तो अपने घर-परिवार में इतनी उलझी होती है कि उन्हे दुनियादारी से मतलब ही नहीं होता है।

कहने को तो इस दिन सम्पूर्ण विश्व की महिलाएं देश, जाति, भाषा, राजनीतिक, सांस्कृतिक भेदभाव से परे एकजुट होकर इस दिन को मनाती हैं। मगर हकीकत में यह दिन बड़ी-बड़ी बाते करने तक ही सिमट कर रह जाता है। हम यह सब क्यों भूल जाते हैं कि महिलाओं के बिना हम किसी समाज की कल्पना तक नहीं कर सकते हैं फिर भी उनके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते हैं। अब हमें महिलाओं के प्रति अपनी सोच में बदलाव लाना होगा। महिलाओं को सिर्फ घर का काम करने से आगे लाकर उन्हे परिवार के हर निर्णय,सलाह,मशविरा में शामिल कर परिवार के प्ररक की भूमिका देनी होगी।

सरकार ने महिलाओं के लिए नियम-कायदे और कानून तो बहुत सारे बना रखें हैं। किन्तु उन पर हिंसा और अत्याचार के आंकड़ों में अभी तक कोई कमी नहीं आई है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 15 से 49 वर्ष की उम्र वाली 70 फीसदी महिलाएं किसी न किसी रूप में कभी न कभी हिंसा का शिकार होती हैं। इनमें कामकाजी व घरेलू महिलायें भी शामिल हैं। देशभर में महिलाओं पर होने वाले अत्याचार के लगभग डेढ़ लाख मामले सालाना दर्ज किए जाते हैं। जबकि इसके कई गुणा अधिक मामले दबकर रह जाते हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दोगुने से भी अधिक हुए हैं। पिछले दशक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में हर घंटे महिलाओं के खिलाफ अपराध के 26 मामले दर्ज होते है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार महिलाओं के प्रति की जाने वाली क्रूरता में वृद्धि हुई है।

महिला दिवस पर देश भर में अनेको स्थान पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। मगर अगले ही दिन उन सभी बातों को भुला दिया जाता है। समाज में अभी पुरूषवादी मानसिकता मिट नहीं पायी है। समाज में अपने अधिकारों एवं सम्मान पाने के लिए अब महिलाओं को स्वयं आगे बढना होगा। देश में जब तक महिलाओं का सामाजिक, वैचारिक एवं पारिवारिक तौर पर उत्थान नहीं होगा तब तक महिला सशक्तिकरण की बाते करना बेमानी होगा।

जब तक देश के सभी क्षेत्रों में महिलाओं को समान अवसर नहीं मिलेगा तब तक देश में महिला शक्ति का समुचित उपयोग नहीं हो पायेगा। अब महिलाओं को समझना होगा कि आज समाज में उनकी दयनीय स्थिति समाज में चली आ रही परम्पराओं का परिणाम है। इन परम्पराओं को बदलने का बीड़ा स्वयं महिलाओं को ही उठाना होगा। जब तक महिलायें स्वयं अपने सामाजिक स्तर व आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं करेगी तब तक समाज में उनका स्थान गौण ही रहेगा। जब तक महिलाओं का सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक, वैचारिक एवं पारिवारिक तौर पर उत्थान नहीं होगा तब तक महिला सशक्तिकरण की बाते करना व महिला दिवस मनाने की कोई सार्थकता नहीं होगी। (लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा / ईएमएस)

देश में नम्बर वन इंदौर की स्वच्छता के तकनीकी पहलू

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की थी .देश के 4000 से ज्यादा शहरों के स्वच्छता मापदण्डों पर हुये आकलन में इंदौर को लगातार चार वर्षो से पहला स्थान मिल रहा है , यह गौरव का विषय है .केंद्र सरकार ने स्वच्छता सर्वेक्षण की जिम्मेदारी क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) को दे रखी है.

अभियंता के रूप में यह हमारी रुचि का विषय है कि इंदौर की साफ सफाई प्रणाली के तकनीकी पहलुओ की विवेचना कर उन्हें समझा जावे जिससे अन्य स्थानो पर भी यही माडल अपनाया जा सके . दिल्ली से आए स्वच्छता सर्वेक्षण दल ने 18 बिंदुओं पर यह आंकलन किया था . सर्वे दल ने गलियों, बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशनों, शहर के शौचालयों, ड्रेनेज लाइन, ट्रेंचिंग ग्रांउड सहित शहर भर में घूमकर सफाई कार्य देखा था . सर्वे में 4000 अंक निर्धारित किए गए थे , जिसमें से ही अंक प्रदान किये गये . लोगों की प्रतिक्रिया पर 1400 अंक रखे गए थे , स्थानीय निकाय के कामकाज के लिए 1400 अंक थे

जबकि स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए 1200 अंक रखे गए थे.

स्वच्छता सर्वे के मुख्य बिंदु ये थे ...

- कॉलोनियों, बस्तियों, पुराना शहर, अव्यवस्थित और व्यवस्थित बसा क्षेत्र साफ है या नहीं?

- महिला और पुलिस पब्लिक और कम्युनिटी टॉयलेट , क्या इन्हें बच्चे भी इस्तेमाल कर सकते हैं ?

- टॉयलेट की सफाई के साथ उनमें रोशनदान, जलप्रदाय, लाइट के इंतजाम .

- टॉयलेट एरिया में ड्रेनेज सिस्टम .

- टॉयलेट में स्वच्छ भारत मिशन के संदेश वाले होर्डिंग, बैनर, वॉल पेंटिंग .

- मार्केट में सफाई व्यवस्था .

- सब्जी, फल, मीट या फिश मार्केट में साइट कंपोस्टिंग, वेस्ट ट्रांसफर स्टेशन और प्राइमरी वेस्ट कलेक्शन सेंटर की जानकारी .

- सफाई को लेकर लगे साइन बोर्ड .

- रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर सफाई व्यवस्था .

- मुख्य स्टेशन पर रेलवे ट्रैक या प्लेटफॉर्म के आसपास 500 मीटर क्षेत्र में कहीं खुले में शौच तो नहीं होता ?

- शहर में लगे डस्टबीन के बारे में जानकारी और उसके इस्तेमाल को लेकर जागरूकता .

चार दिनों तक कार्वी इंटरनेशनल ने 200 से ज्यादा स्थानों पर निरीक्षण किया तथा सर्वे का कार्य पूरा किया . सर्वेक्षण दल ने आम लोगों से अनायास ये सवाल पूछे थे ...

- क्या आपको यह जानकारी है कि आपका शहर स्वच्छता सर्वेक्षण में हिस्सा ले रहा है?

- आपका क्षेत्र क्या पिछले साल की अपेक्षा ज्यादा साफ है?

- क्या इस साल आपने व्यावसायिक क्षेत्रों में लगे लिटरबिन का उपयोग शुरू किया है?

- क्या आप इस साल पृथकीकृत (गीला-सूखा) घर-घर कचरा संग्रहण से संतुष्ट हैं?

- क्या पिछले साल की अपेक्षा मूत्रालय-शौचालय की व्यवस्था बढ़ी है जिसके कारण लोगों ने खुले में पेशाब और शौच करना बंद किया है?

- क्या सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालय पहले की अपेक्षा ज्यादा साफ हैं और उन तक पहुंचना आसान है?

सडकों, फुटपाथ और खाली जगह पर फैला कचरा इंदौर की एक बड़ी समस्या थी . शहर में सैकड़ों कचरा पेटियां थीं, लेकिन उनके समुचित उपयोग न होने से वो सफाई की जगह गंदगी फैला रही थीं, आवारा पशु सफाई व्यवस्था को चुनौती दे रहे थे कचरा पेटियों के आसपास फैले कचरे से पशुओ को भोजन मिलता था , ये पशु शहर के ट्रैफिक में बाधा बनते थे . साफ़ सफाई को लेकर लोगों का व्यवहार बदलना एक बड़ी चुनौती था . लोग घरों की सफाई कर कचरा सड़क पर या बहुत हुआ तो कचरा पेटी के पास फेंक देते थे व इसे ही अपने कर्तव्य की इतिश्री समझते थे . इस सबसे निपटने के लिए नगर-निगम ने योजना बनाकर काम किया. सही डिस्पोजल के लिए सीधे सोर्स से कचरा उठाने की योजना बनाई गई. शहर भर में लगी बड़ी कचरा पेटियों को हटाकर कचरा उठाने के लिए 200 से ज्यादा छोटी गाड़ियां प्रयोग में लगाई गईं . ये गाड़ियां अब हर घर पर दस्तक देकर वहां से कचरा उठा लेती हैं . घरों के बाद इन गाड़ियों को बाजारों से कचरा उठाने की जिम्मेदारी दी गई है . छोटे-बड़े वाहनों पर लगे जीपीएस उपकरणों के जरिये उन पर बराबर नजर रखने की परियोजना चलायी जा रही है . आईएमसी द्वारा किराये पर स्मार्ट वाच ली गईं जिन्हें नगरीय निकाय के अधिकारी-कर्मचारी अपनी डयूटी के समय पहनते हैं . यह स्मार्ट वॉच मैदानी स्तर पर कर्मचारियों की उपस्थिति तथा उनके मूवमेंट का पल-पल का हिसाब रखती है . लोगों के माइंड सेट को बदलने के लिए अभियान चलाये गये , पोस्टर्स, होर्डिंग लगाए गए . इसमें सेलीब्रिटी गायक कैलाश खैर और प्रसिद्ध गायक शान से ख़ास प्रोमो गीत बनवाए गये , जिन् कचरा धोने वाली गाड़ियो पर बजाया गया . अब ठ इंदौर को स्वच्छ बनाना है ठ ये गाना सुनते ही लोग अपनी डस्टबीन लेकर गाड़ियों के पास पहुंच जाते हैं .

इन गाड़ियो द्वारा एकत्रित कचरे के डिस्पोजल के लिए शहर में 6 हब बनाए गए, यहां से कचरा ट्रेन्चिंग ग्राउंड पर भेजने की व्यवस्था की गई है .

आवारा पशुओं को सड़क से हटाने के लिए विशेष अभियान छेड़ा गया . शहर की सीमा के भीतर गाय, भैंस पालने पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया . सडकों पर घूम रहे आवारा जानवरों को पकड़कर शहर के बाहर गौशालाओं को या फिर जरूरतमंद लोगों को दे दिया गया . गंदी सडकों की सफाई के लिए रात में सफाई अभियान शुरू किया गया . इससे साल दर साल असर नजर आने लगा, जिन सडकों पर कचरा बिखरा रहता था अब वो साफ़ सुथरी रहती हैं . संकरी जगहों पर सफाई नहीं हो पाती थी . जर्मनी से इस तरह के क्षेत्रो में सफाई के लिये खास सफाई मशीन मंगाई गई है , ये मशीन संकरे क्षेत्रों में चलाई जाती है . इस तरह संकरी गलियां भी स्वच्छ रहने लगीं हैं .

नगर निगम ने गीला और सूखा कचरा घरों से ही अलग-अलग करने को कहा . अलग-अलग नीले-हरे लिटरबिन का असर ये हुआ कि खाद में परिवर्तित होने वाले कचरे को सीधे खाद बनाने वाले प्लांट तक पहुंचा दिया जाता है. शहर को स्वच्छ रखने के लिए 7 हजार से ज्यादा सफाई कर्मी लगातार काम करते हैं , जिनमें 60 फीसदी से अधिक महिलाएं हैं . प्रति सफाई कर्मी को 500 से 800 मीटर लंबे हिस्से की जिम्मेदारी दी गई है . 200 से ज्यादा कचरा गाड़ीयां 24 घंटे शहर की सड़कों को साफ करने में दो शिफ्ट में लगी रहती हैं . रहवासी क्षेत्र में दिन में एक बार और व्यावसायिक क्षेत्र में दो से तीन बार सफाई कर्मी पहुंचते हैं .रात में जब ट्रेफिक न्यूनतम रहता है तब सफाई कर्मी जागते रहते हैं व मशीनों से शहर की मुख्य सड़क की सफाई की जाती है . डोर टू डोर कचरा कलेक्शन गाड़ियों में गीला-सूखा कचरा अलग रखने की व्यवस्था है . इसके साथ ही सेनिटरी पेड और डाइपर के लिए गाड़ी में अलग से डिब्बा लगाया गया है , क्योंकि ये नालियों में फंस जाते हैं व उन्हें चोक कर देते हैं .

सफाई में असहयोग करने वालो को दण्डित करने के प्रावधान भी किये गये हैं , निगम ने गंदगी फैलाने वालों पर एक लाख रुपए तक, थूकने, खुले में शौच करने वालों पर 500 रुपए तक का जुर्माने का प्रावधान कर रखा है . शहर में निशुल्क और पेड टायलेटों की संख्या 3 हजार से ज्यादा है . 10 कचरा ट्रांसफर स्टेशन में लगीं आधुनिक मशीनों से खाद का निर्माण किया जा रहा है . 11 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट चालू हुए और अब 310 एमएमलडी सीवरेज को पानी ट्रीट का स्वच्छ व साफ बनाया जा रहा है .102 एमलडी पानी का पुनः उपयोग किया जा रहा है . इंदौर के निकटवर्ती छह गांवों में 50 एमएलडी पानी सिंचाई में और शहर के 200 गार्डनों को सीधे पाइप लाइन से ट्रीट किया हुआ पानी पौधों के लिए दिया जा रहा है .ट्रीट वाटर हाईड्रेंड से 400 गार्डनों को पानी दिया जा रहा है . इसके साथ रोड डिवाइडर व ग्रीन बेल्ट के 100 किमी हिस्से में लगे पौधों को ट्रीट किया हुआ पानी सिंचाई हेतु दिया जा रहा है . शौचालयों व यूरिनल की धुलाई में ट्रीट किया हुआ पानी ही उपयोग किया जा रहा है .

मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले शहर इंदौर की लगातार चौथी बार इस सफलता के पीछे सफाई अभियान में नागरिकों की भागीदारी, नवाचारों और निरंतर स्थाई प्रावधानो से "सफाई यह का चौका" लगाया जा सका है. सफाई एक निरंतर चलने वाले प्रक्रिया है , कचरा लगातार उत्पन्न होता है , यह जीवंतता का प्रतीक है , और सफाई एक आदत है जो प्रत्येक जीवंत मनुष्य में होनी ही चाहिये . इंदौर स्वच्छता माडल अन्य शहरों के लिये प्रेरक है . (लेखक- विवेक रंजन श्रीवास्तव / ईएमएस)

आज का इतिहास 8 मार्च

1722 अफगानिस्तान और फ्रांस में युद्ध शुरू हुआ था.
1864 मराठी के प्रसिद्ध लेखक हरिनारायण आप्टे का जन्म.
1865 एम्सटर्डम को उत्तरसागर से जोड़ने के लिए नहर बनाने का काम शुरु हुआ.
1904 जर्मनी ने रोमन कैथोलिक पादरियों की वापसी के लिए पुराने आदेश में संशोधन किया.
1917 रूसी क्रांति की शुरूआत सेंट पीटर्सबर्ग में हड़ताल और दंगे शुरू हुए.
1949 फ्रांस ने गैर कम्युनिस्ट वियतनाम को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी.
1950 मार्शल पोरोशिलोव ने सोवियत संघ के पास एटम बम होने की घोषणा की.
1965 अमरीका के साढ़े तीन हजार सैनिक दक्षिण वियतनाम गए.
1988 सुरक्षा परिषद ने दक्षिण अफ्रीका में रंग भेद विरोधी संगठनो पर पाबंदी लगाने की निंदा की.
1990 पश्चिम जर्मनी की संसद ने संयुक्त जर्मनी से पोलैंड की सीमाओं का सम्मान करने का आह्वान किया.
1992 संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों के कमांडर बेलग्रेड पहुंचे.
1999 केंद्र सरकार ने बिहार में राष्ट्रपति शासन वापस लिया.
2002 उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू.
2007 मेजर जनरल भुवनचंद्र खण्डूरी ने उत्तराखण्ड के नए मुख्यमंत्री पद की शपथ ली.

शब्द पहेली - 7219

बाएँ से दाएँ
1. पेड़, दरख्त-2
3. प्रार्थना, पूजना-4
6. आदर्श, पैमाना-3
8. त्वचा, चमड़ी, खाल-2
10. सड़ने की प्रक्रिया, गलन-3
12. देव, देवता-2
13. चलने का ढंग-2
14. प्रशंसा, गुणगान-3
16. आरामदायक-5
17. कक्ष, रूम-3
19. हिंदू कलैंडर का एक महीना, भाद्रवा-2
20. 500 कागजों की गड्डी-2
21. कबाड़, खराब वस्तु-3
24. मजा, मस्ती-2
26. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28. शोरगुल, -4
29. तह, परत-2

ऊपर से नीचे
2. माफी-2
3. झूठी शान, घमंड-3
4. गर्दन से नीचे का शरीर, देह-2
5. अपराध, गुनाह-2
7. रग, नाड़ी-2
8. सूत कातने का यंत्र-3
9. एकाएक-4
11. शीश झुकाए हुए-5
12. भोर, प्रातः-3
15. ननद का पति-4
16. विश्राम, राहत-3
18. रोगी, बीमार-3
22. उच्चतम-3
23. गरबा, नृत्य-2
24. मृत्यु-2
25. रास्ता, मार्ग-2
27. आनंदित, मौजी-2

शब्द पहेली -7218 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

वार्न के निधन की बात से अब तक सदमें में हैं पोंटिंग

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग अपने साथी खिलाड़ी रहे दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न के निधन के बाद से ही सदमे में हैं। पोंटिंग अबतक वार्न के असामयिक निधन के कारणों को समझ नहीं पा रहे हैं। 52 वर्षीय वॉर्न का गत शुक्रवार को थाईलैंड के एक होटल में संदिग्ध दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उनकी अचानक हुई मौत के बाद से ही खेल जगत में शोक की लहर छायी है। पूर्व क्रिकेटर ईशा गुहा से बातचीत के दौरान पोंटिंग ने कहा कि वॉर्न के निधन की बाते से वह हैरान हो गये थे।

इस दौरान पोंटिंग से जब यह पूछा गया कि अगर उन्हें वॉर्न से आखिरी बार बात करने का मौका मिलता तो वह उनसे क्या कहते। इस सवाल के जवाब में पोटिंग ने कहा, मैं यह कहूंगा कि, मैं उनसे कितना प्यार करता हूं, मैंने उनके जीते जी ऐसा नहीं कहा, मुझे अफसोस है काश उनसे मैं यह तीन शब्द कह पाता। वॉर्न को थाईलैंड के एक विला में बेहोश पाये जाने के बाद अस्पताल पहुंचाया गया था पर रास्ते में ही उनकी मौत हो गयी थी। महान खिलाड़ी रॉड मार्श को खोने के 24 घंटे से भी कम समय में वॉर्न के निधन की खबर आई थी। यहां तक कि वॉर्न ने मार्श को अपने अंतिम ट्विटर पोस्ट में भावनात्मक श्रद्धांजलि भी दी थी।

उस दिन का जिक्र करते हुए पोंटिंग ने कहा, मैं उठा और जल्दी से बच्चों को नेटबॉल में ले जाने के लिए तैयार कर रहा था इस दौरान पत्नी रियाना ने अपना फोन देखा और उन्होंने वॉर्न के निधन के बारे में मुझे बताया। मैंने उसे देखने के लिए पत्नी के हाथ से फोन लिया क्योंकि मुझे विश्वास नहीं हुआ कि यह सही घटना है। मेरे लिए यह इतना दुखद था कि मैं बोल नहीं सकता था। इस दौरान मैंने हर बार शेन वॉर्न के बारे में सोचा लेकिन मैं कुछ कह नहीं पा रहा था।

भारत के प्रमोद ने स्पेन में जीते तीन स्वर्ण

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के प्रमोद भगत ने स्पेन के विटोरिया में जारी स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टू टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीनों ही वर्ग में स्वर्ण पदक जीता है। भगत ने जीत के बाद उत्साहित होते हुए कहा है कि मेरा ध्यान फोकस अब ग्रेड वन टूर्नामेंट पर है।

वहीं भारत के ही सुकांत कदम ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। एकल वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी भगत ने कुमार नीतेश को 17-21, 21-17, 21-17 से हराया। पुरूष युगल में भगत और मनोज सरकार ने अपने ही हमवतन सुकांत और नीतेश को 21-19, 11-21, 21-11 से हराया इसके अलावा मिश्रित युगल में भगत और पलक कोहली ने अपने ही देश के रूथिक रघुपति और मानसी जोशी को 14-21, 21-11, 21-14 से पराजित किया। दूसरी ओर सुकांत ने एकल वर्ग में मार्शेल एडम को 21--8, 21-18 से हराकर स्वर्ण जीता पर पुरूष युगल में खिताबी मुकाबले में हार के कारण उसे रजत पदक ही मिल पाया।

वजन कम करने वाले डाइट ले रहे थे वार्न : मैनेजर

सिडनी (ईएमएस)। विश्व के दिग्गज स्पिनर शेन वार्न की मौत के बाद उनकी मौत के कारणों को लेकर अलग-अगल बातें सामने आ रही हैं। पहले कहा गया था कि वे काफी अधिक शराब पीते थे तो कुछ रिपोर्ट दावा कर रही थीं कि वे ड्रग्स का अधिक सेवन करते थे पर हाल ही में वॉर्न के मैनेजर ने कहा है कि वार्न शराब और ड्रग्स का सेवन नहीं करते थे। साथ ही कहा कि वॉर्न थाईलैंड में अपने दोस्तों के साथ छुट्टियां मना रहे थे। वह वजन कम करने वाली डाइट ले रहे थे। उनका लक्ष्य पहले की तरह फिट होना था। ऐसे में यह बात सामने आई है कि लोग वजन कम करने के लिए काफी कठोर डाइट चार्ट का पालने करते हैं, जिससे उन्हें कई परेशानियां आ सकती हैं। वॉर्न भी वजन कम करने वाली डाइट का पालन कर रहे थे। ऐसे में अगर आप भी इस प्रकार वजन कम करने का प्रयास कर रहे हैं तो पहले डॉक्टर से सलाह ले लें।

वजन कम करने वाली डाइट से शरीर पर काफी प्रभाव पड़ता है। इससे मस्कुलर स्ट्रेंथ भी कम होती है, बाल झड़ने लगते हैं, डिहाइड्रेशन हो सकता है, हार्ट रेट स्लो हो सकती है इसके अलावा चक्कर भी आ सकते हैं। कई लोगों को डाइटिंग के दौरान भूख भी लगती है और उसे कंट्रोल करके खाना न खाना काफी कठिन हो सकता है। अगर किसी को भूख लग रही है और वह डाइट के कारण खाना नहीं खा रहा है, तो उसे गैस भी बन सकती है या फिर चक्कर भी आ सकते हैं। इसके अलावा विटामिन और मिनरल की कमी भी हो सकती है। इसका कारण है कि लोग डाइट के दौरान कम कैलोरी का सेवन करते हैं, जिससे शरीर की जरूरत के मुताबिक, विटामिन और मिनरल शरीर में नहीं पहुंच पाते। थकान और सुस्तीः पहले जो लोग अधिक खाना खाया करते थे, वे लोग डाइट के कारण कम खाना शुरू कर देंगे, तो बॉडी उस तरह से रिएक्ट नहीं करेगी, जैसा पहले करती थी। ऐसे में थकान और सुस्ती आना काफी आम बात है। इसके साथ ही इससे स्ट्रेस का स्तर भी बढ़ता है।

चेन्नई के पिच क्यूरेटर ने नहीं मानी थी शास्त्री और प्रबंधन की मांग

मुम्बई (ईएमएस)। साल 2021 में इंग्लैंड के भारत दौरे के समय चेन्नई के पिच क्यूरेटर के मनमानी करने के मामले में जांच की मांग उठी है। एक रिपोर्ट के अनुसार तब पिच क्यूरेटर ने पूर्व मुख्य कोच समेत घरेलू टीम प्रबंधन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन नहीं किया था। इसके कारण मुकाबले में भारतीय टीम को नुकसान हुआ था

एक रिपोर्ट के अनुसार तब मुख्य कोच रहे रवि शास्त्री और गेंदबाजी कोच भरत अरुण इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट शुरू होने से एक दिन पहले ही 4 फरवरी की शाम को एमए चिदंबरम स्टेडियम गए थे। मुख्य कोच और गेंदबाजी कोच ने क्यूरेटर और मैदान कर्मियों से स्पष्ट रूप से कहा कि पिच को वैसे ही छोड़ दिया जाना चाहिए और पानी एवं रोलर का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए पर क्यूरेटर ने इस आदेश का पालन नहीं किया।

रिपोर्ट में के अनुसार शास्त्री और अरुण के जाने के बाद क्यूरेटर ने मैदानकर्मियों से कहा कि उन्हें एक उच्च अधिकारी' द्वारा पिच को पानी देने और उसे रोल करने के लिए कहा गया था। कथित तौर पर उस व्यक्ति ने स्थानीय मैदानकर्मी की सहमति के बगैर ऐसा किया, जिनके पास निर्देशों का विरोध करने का ऐसा कोई अधिकार नहीं है। अब यह मांग की गई है कि बीसीसीआई इस बात की जांच करे कि उस शाम क्यूरेटर को किसने बुलाया था।

68वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशि में भाग लेगी जम्मू-कश्मीर महिला टीम

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर की सीनियर नेशनल कबड्डी टीम जम्मू-कश्मीर एमेच्योर 68वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशि में भाग लेगी। महिला कबड्डी चैंपियनशिप 10 से 13 मार्च तक हरियाणा के चरखी दादरी में होगी।मिताली मन्हास टीम की कप्तानी संभालेंगी। चैंपियनशिप के लिए संभागीय खेल अधिकारी अशोक सिंह की उपस्थिति में चयनित खिलाड़ियों को खेल किट का वितरण किया। एमए स्टेडियम के प्रबंधक सक्तिश चोपड़ा, सुरिंदर मोहन महासचिव, कोषाध्यक्ष संग्राम सिंह, संजीत कुमार, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी राकेश कुमार और सीनियर कबड्डी कोच अनिल शर्मा इस मौके पर मौजूद थे। संभागीय खेल अधिकारी अशोक सिंह और उनकी टीम ने खिलाड़ियों की स्क्रीनिंग की। जम्मू-कश्मीर एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने भी चैंपियनशिप के लिए यूटी कबड्डी टीम को शुभकामनाएं देते हुए अच्छे खेल का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। मिताली मन्हास टीम की कप्तानी संभालेंगी। टीम में रोशी जम्वाल, शालू देवी, रजनी रानी, सिया सैनी, सोनिया देवी, मनो बीबी, इफला मजीद, मारीफत जान, प्रिया कुमारी, रिफत बशीर और रंजू देवी शामिल हैं। टीम के कोच मोहम्मद अमीन होंगे। टीम की मैनेजर अर्चना कौशल हैं।

श्रीलंका के खिलापफ दूसरे टेस्ट के लिए अक्षर की वापसी , कुलदीप बाहर हुए

मुम्बई (ईएमएस)। स्पिनर अक्षर पटेल की टीम इंडिया में वापसी हुई है अभी तक फिट नहीं होने के कारण वह टीम से बाहर थे। अक्षर को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। यह दिन-रात्रि टेस्ट मैच 12 मार्च से बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुरु होगा भारतीय टीम दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे हैं। अक्षर की टीम में वापसी के कारण चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को टीम से बाहर बैठाया गया है। अक्षर मोहाली टेस्ट के दौरान ही टीम इंडिया से जुड़ गये थे। इसी कारण कुलदीप को अब टेस्ट दल से बाहर होना पड़ा है। टीम प्रबंधन के अनुसार टीम में अब दो बाएं हाथ के स्पिनर हो चुके हैं, ऐसे में कुलदीप की जगह नहीं बनती है 18 सदस्यीय भारतीय टीम में आर अश्विन और जयंत यादव के रूप में दो अन्य स्पिनर भी उपलब्ध हैं। अक्षर पटेल ने अंतिम बार पिछले साल दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट में खेला था। इसके बाद से ही वह चोटिल होने के कारण टीम से बाहर थे।

भारतीय टीम इस प्रकार हैः रोहित शर्मा (कप्तान), प्रियांक पांचाल, मयंक अग्रवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, शुभमन गिल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएस भरत, रवींद्र जडेजा, जयंत यादव, आर अश्विन, अक्षर पटेल, सौरभ कुमार, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1,491 और निफ्टी 382 अंक गिरा

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट रही। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से बिकवाली हावी होने के कारण घरेलू शेयर बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,491.06 अंक करीब 2.74 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ ही 52,842.75 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 382.20 अंक तकरीबन 2.35 फीसदी की भारी गिरावट के साथ ही 15,863.15 अंक तक फिसल गया।

बाजार जानकारों के अनुसार दुनिया भर के हालातों के कारण यह प्रभाव पड़ा है। साथ ही कहा कि जिस प्रकार दुनिया भर में कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं, उससे भारत में निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। कच्चे तेल के दाम बढ़ने और डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से भी बाजार पर दबाव आया है। घरेलू बाजार में गिरावट का असर सेंसेक्स में शामिल कंपनियों के प्रदर्शन पर भी देखा गया। इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में 7.63 फीसदी तक की गिरावट आई।

वहीं इसके विपरीत भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, टाटा स्टील और इन्फोसिस के शेयर लाभ में रहे। रियल्टी, बैंक, वित्त और वाहन के शेयरों में काफी नुकसान हुआ।

श्रीलंका में दो मंत्रियों को बर्खास्त करने के बाद गठबंधन सरकार में पैदा हुए मतभेद

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका के जल आपूर्ति मंत्री वसुदेव नानायक्कारा ने सोमवार को कहा कि वह देश के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे द्वारा अपने दो सहकर्मियों को बर्खास्त करने के विरोध में मंत्रिमंडल की बैठकों का बहिष्कार करेंगे। इन मंत्रियों को पिछले हफ्ते मंत्रिमंडल में फेरबदल के दौरान हटाया गया, जिससे सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार में दरार आती नजर आ रही है।

राजपक्षे ने गुरुवार को दो शीर्ष पद वाले कैबिनेट मंत्रियों उदय गम्मनपिला को ऊर्जा मंत्री तथा विमल वीरवंस को उद्योग मंत्री पद से हटा दिया था। इन दोनों मंत्रियों ने राजपक्षे के छोटे भाई और वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे की खुलकर आलोचना करते हुए उन पर आरोप लगाया था कि वह अड़ियल रवैए से काम रह रहे हैं, जिससे द्वीपीय देश में आर्थिक मुश्किलें पैदा हुईं।

श्रीलंका अभी विदेशी मुद्रा संबंधी गंभीर संकट का सामना कर रहा है और सरकार आवश्यक आयातित सामान का बिल भी नहीं भर पा रही है। बर्खास्त किए गए ये मंत्री सत्तारूढ़ श्रीलंका पादुजन पेरामुन (एसएलपीपी) के सदस्य हैं। नानायक्कारा ने कहा मेरी पार्टी की केंद्रीय समिति ने फैसला किया है कि मैं मंत्रिमंडल की बैठकों से दूर रहूंगा लेकिन मंत्री पद पर बना रहूंगा। राजपक्षे परिवार की श्रीलंका में मजबूत राजनीतिक छवि है और उसकी देश की राजनीति पर मजबूत पकड़ है। श्रीलंका में 2019 के चुनाव के बाद राजपक्षे परिवार ने मौजूदा सरकार में कई विभागों पर अपना नियंत्रण रखा है।

जंग के 12 वें दिन रुस ने 24 घंटे का किया सीजफायर का ऐलान, भारतीयों के लिए राहत

कीव (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच 12 दिन से जंग चल रही है। रूस ने सोमवार को कुछ घंटे के लिए पूरे यूक्रेन में सीजफायर का ऐलान किया है। यह सीजफायर 12.30 बजे से शुरू होगा। इस दौरान युद्ध में फंसे लोगों को निकालने के लिए ह्यूमन कॉरिडोर बनाया जाएगा। फ्रांसिसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की अपील पर रूस ने सीजफायर का ऐलान किया है। ऐसा दूसरी बार है जब रूस ने यूक्रेन में सीजफायर का ऐलान किया है। इससे पहले दो शहरों में 6 घंटे के लिए सीजफायर किया गया था। इस दौरान भारतीय नागरिकों को निकलने के लिए रास्ता दिया गया था।

मारियुपोल, खारकीव, कीव और सुमी में सीजफायर का ऐलान किया गया है। जानकारी के मुताबिक, सुमी में 500 से ज्यादा भारतीय फंसे हुए हैं। वहां अभी निकल नहीं पाए हैं। रूसी सेना की तरफ से सीजफायर के ऐलान के बाद यूक्रेन में फंसे नागरिक वहां से निकल पाएंगे। भारतीयों के लिए अच्छी खबर है कि रूस ने सुमी के लिए 2 रास्ते खोले हैं। पहला रास्ता सुमी और बेलगोर से होकर गुजरता है और दूसरा रास्ता सुमी पलटोवा से होकर जाता है। इन रास्तों पर सीजफायर लागू रहेगा। इसकी जानकारी संयुक्त राष्ट्र, ओएससीई और आईसीआरसी को दे दी गई है। इससे पहले सोमवार सुबह रूस ने यूक्रेन के खार्किव शहर में रिहाइशी इमारतों को निशाना बनाया। हालांकि, लोगों को पहले ही बंकरों समेत सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह दी जा चुकी थी, लेकिन अब भी वहां कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है।

दूसरी ओर, यूक्रेनी सेना ने दो उच्च-रैंकिंग रूसी अधिकारियों को मारने का दावा किया है। दावा किया गया है कि रूसी सशस्त्र बलों के 61वें सेपरेट मरीन ब्रिगेड के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल दिमित्री सफ्रोनोव और 11वें सेपरेट एयरबोर्न असॉल्ट ब्रिगेड के डिप्टी कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल डेनिस ग्लीबोव मारे गए हैं। वहीं, यूक्रेन के मुताबिक, कई रूसी टैंक भी तबाह किए गए हैं।

रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों के विश्व अर्थव्यवस्था पर हो सकते हैं गंभीर प्रभावः आईएमएफ

नई दिल्ली (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा कि यूक्रेन में चल रही लड़ाई और उसको लेकर रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों का विश्व अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। मुद्रा कोष ने कहा ?कि हम उभरती स्थिति का लगातार आकलन कर रहे हैं और अपने सदस्य देशों को समय से नीतिगत सलाह, वित्तीय और तकनीकी सहायता दे रहे हैं। आईएमएफ की प्रबंध निदेशिका क्रिस्तालिना जॉर्जीएवा की अध्यक्षता में इस वैश्विक वित्तीय संगठन के कार्यकारी निदेशक मंडल की वॉशिंगटन में हुई एक बैठक में कहा गया है कि यूक्रेन में युद्ध से भारी नुकसान हो रहा है। वहां के दस लाख से अधिक लोग शरणार्थी बनकर अन्य देशों में चले गए हैं और रूस के खिलाफ अभूतपूर्व आर्थिक प्रतिबंध घोषित किए जा चुके हैं। मुद्रा कोष के बयान में कहा गया है, ति बहुत तेजी से बदल रही है और भविष्य के बारे में असाधारण अनिश्चितता है। इसके आर्थिक प्रभाव पहले ही बहुत गंभीर हो चुके हैं। खनिज ईंधन और अन्य वस्तुओं की कीमतें जिनमें गेंहू और अन्य अनाज हैं, उछाल पर हैं। इससे मुद्रा स्थिति का दबाव और बढ़ रहा है। मुद्रा स्फीति कोविड-19 महामारी के कारण आपूर्ति श्रृंखला के टूटने से और महामारी के बाद मांग में सुधार से पहले ही ऊंची हो गई थी। बयान में कहा गया है ?कि महंगाई का झटका पूरी दुनिया को लगेगा। गरीब परिवार जिनकी आय का ज्यादातर पैसा भोजन और ईंधन पर चला जाता है, वे इससे सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

सूचकांक अब सामान्य रूप से अपडेट हो रहे हैंः एनएसई

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने सोमवार को कहा कि निफ्टी और बैंक निफ्टी सूचकांकों में कुछ समय के लिए कीमतों के अपडेट बंद होने के बाद अब दोनों सूचकांक सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। एनएसई ने एक बयान में कहा कि सभी सूचकांकों में ब्रॉडकास्ट सामान्य रूप से फिर शुरू हो गया है। एनएसई ने इससे पहले कहा था ?कि सभी खंडों में कारोबार सामान्य रूप से चल रहा है। हालांकि, निफ्टी और बैंक निफ्टी सूचकांक रुक-रुक कर ब्रॉडकास्ट नहीं हो रहे हैं। एक्सचेंज इस मुद्दे को हल करने के लिए काम कर रहा है।

सीरिया में आतंकियों ने किया सेना की बस पर हमला, 13 सैनिकों की गई जान

दमिश्क (ईएमएस)।सीरिया में राजमार्ग पर आतंकवादियों ने सेना की बस पर हमला कर दिया, इससे कम से कम 13 सैनिकों की मौत हो गई। मरने वालों में कई अधिकारी भी शामिल हैं। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट में बताया कि मध्य सीरिया के पलमीरा क्षेत्र में हुए हमले में 18 सैनिक घायल हो गए और आतंकवादियों ने हमले में कई तरह के हथियारों का इस्तेमाल किया। अभी तक किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। सीरियाई अधिकारियों ने इस्लामिक स्टेट समूह के आतंकवादियों पर इसतरह के हमलों को दोषी ठहराया है, जो 2019 से देश में क्षेत्रीय नियंत्रण खोने के बावजूद दक्षिणी और मध्य सीरिया में सक्रिय हैं। इस साल जनवरी महीने में आईएस आतंकवादियों ने इसी क्षेत्र में यात्रा कर रही एक बस पर रॉकेट और एंटी-एयरक्राफ्ट गन से हमला किया, जिसमें पांच सैनिक मारे गए थे।

इसके पहले पिछले महीने दमिश्क में सैनिकों को ले जा रही बस में बम धमाके के कारण एक सैनिक की मौत हो गई थी, जबकि 11 घायल हो गए थे। बम बस में रखा गया था। धमाका भीड़भाड़ के समय राजधानी के ऐतिहासिक ओमय्यड चौराहे के पास हुआ। हाल के महीनों में दमिश्क में शांति के बीच इस तरह के हमले होते रहे हैं। सरकारी सुरक्षा बलों ने वर्ष 2018 में शहर के पूर्वी इलाकों को विद्रोहियों के कब्जे से छीन लिया था।

सोना 54 हजार और चांदी 70 हजार के पार

मुंबई (ईएमएस)। यूक्रेन और रूस में चल रही जंग की वजह से सोना और चांदी की कीमत में जोरदार तेजी देखने को मिल रही है। जहां भारतीय वायदा बाजार में सोना 54 हजार करीब पहुंच गया है। वहीं चांदी के दाम 70 हजार रुपए प्रति किलोग्राम के पार चली गई है। विदेशी बाजारों में भी सोना ओर चांदी के दाम इजाफा देखने को मिला है। सोना 2000 डॉलर पर पहुंच गया हैं, जबकि चांदी 26 डॉलर प्रति ओंस के करीब पहुंच गई है। जानकारों का कहना है ?कि आने वाले दिनों में सोना और चांदी की कीमत में ओर भी ज्यादा तेजी देखने को मिल सकती हैं। देश के वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के दाम 1004 रुपए की तेजी के साथ 53563 रुपए प्रति पर कारोबार कर रही है। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान सोने के दाम 53797 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गए थे। जबकि आज सोना 53266 रुपए प्रति दस ग्राम पर खुला था। गौरतलब है ?कि सोने के दाम वर्ष 2022 के दौरान 9 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दे चुका है। वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमत वायदा बाजार में 70 हजार को पार कर गई है। आंकड़ों के अनुसार वायदा बाजार में चांदी की कीमत करीब 1700 रुपए प्रति किलोग्राम की तेजी देखने को मिल रही है। जिसकी वजह चांदी के दाम 70805 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा है। जो कि कारोबारी सत्र के दौरान 70834 रुपए प्रति किलोग्राम के साथ दिन हाई पर पहुंचा। जहां वायदा बाजार में सिल्वर के दाम 9 फीसदी से ज्यादा बढ़ें हैं। वहीं दूसरी ओर चांदी के दाम हाजिर बाजार में करीब 12 फीसदी का रिटर्न दे चुके हैं। जबकि बीते सप्ताह चांदी की कीमत में करीब 7 फीसदी की तेजी देखने को मिली थी।

जेलेंस्की की सरकार को बचाने प्लान बी पर काम कर रहा अमेरिका

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन में रूसी सेना के जोरदार हमलों के बीच अमेरिका ने जेलेंस्की की सरकार को बचाने के लिए प्लान बी पर काम करना शुरू कर दिया है। अमेरिका एक प्लान तैयार कर रहा है, इसके तहत रूसी सेना के कब्जा होने के बाद भी यूक्रेन की जेलेंस्की सरकार पोलैंड से चलती रहेगी। अमेरिका ने यह प्लान बी उस समय पर तैयार किया है, जब रूसी सेना यूक्रेन पर तेजी से बढ़त बना रही है। अमेरिकी प्रशासन के सूत्रों के हवाले से कहा, 'हम आपात स्थिति के लिए योजनाएं तैयार कर रहे हैं। अखबार ने कहा कि यूक्रेन के सहयोगी देश निर्वासित सरकार के गठन में मदद कर सकते हैं, ताकि देश में गुरिल्ला युद्ध को जारी रखा जाए। इससे पहले 4 मार्च को रूस की संसद के स्पीकर ने ऐलान किया था कि जेलेंस्की पोलैंड गए थे, हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

स्पीकर ने कहा कि अभी राष्ट्रपति जेलेंस्की कीव में ही मौजूद हैं। इस बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति कार्यालय ने यह बताना बंद कर दिया है कि जेलेंस्की कहां पर हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि यूक्रेनी सरकार देश के विभिन्न इलाकों में शासन नहीं कर पा रही है। इस बीच नाटो देश यूक्रेन को संगठन में शामिल करने पर चर्चा के लिए तैयार नहीं हैं और कीव अब 'गैर-नाटो मॉडल' पर चर्चा करने के लिए तैयार है। ये जानकारी यूक्रेन के एक अधिकारी ने दी है। अमेरिकी सूत्रों के हवाले से कहा, 'नाटो देशों से हमें जो प्रतिक्रिया मिल रही है, वह यह है कि वे हमें नाटो में रखने पर चर्चा करने के लिए तैयार नहीं हैं। हम नाटो के आवेदनों के लिए नहीं लड़ेंगे, हम परिणाम के लिए लड़ेंगे लेकिन प्रक्रिया के लिए नहीं।' अरखामिया ने कहा, हम कुछ गैर-नाटो मॉडलों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। हम न केवल रूस के साथ द्विपक्षीय चर्चा में बल्कि अन्य भागीदारों के साथ भी व्यापक दायरे में ऐसी चीजों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं।' भीषण युद्ध के बीच, यूक्रेन और रूस ने 28 फरवरी और 3 मार्च को दो दौर की बातचीत की और सोमवार को तीसरे दौर की बातचीत होने की उम्मीद है।

चीन के वुहान में कोरोना कमबैंक, 2 साल बाद 24 घंटों में 526 मामले दर्ज किए

वुहान (ईएमएस)। चीन में कोरोना फिर तेजी से फैल रहा है। दो साल की तबाही के बाद वुहान में फिर कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। चीन में 24 घंटों में कोरोना के 526 मामले दर्ज किए गए हैं। पिछले 2 सालों में एक दिन में दर्ज संक्रमण का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 526 मामलों में से 214 मरीज लक्षण वाले थे और 312 मरीजों में कोरोना के लक्षण नहीं मिले हैं। बढ़े हुए मामलों के बीच राहत की बात यह है कि 24 घंटों में कोरोना से एक भी मरीज की मौत नहीं हुई है। कोरोना के मामलों में फिर इजाफा होने के बाद चीनी लोग सतर्क हो गए हैं। वहीं, 24 घंटों में कोरोना के 500 से ज्यादा मामले दर्ज होने के बाद इस चीनी कोविड जीरो नीति को बड़ा झटके के तौर पर देखा जा रहा है।

कोरोना का ग्राफ ऊपर जाने के बाद चीन ने वुहान, शंघाई-कवांनडांग सहित कई शहरों में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। लोगों से मास्क लगाने और कोविड अनुरूप व्यवहार करने की अपील की गई है। दुनियाभर में कोरोना संक्रमण के मामले 44.66 करोड़ को पार कर गए हैं, वहीं मृतकों की संख्या करीब 60 लाख के करीब पहुंच गई है। वहीं पिछले एक महीने में दुनियाभर में कोरोना के 5.22 करोड़ से अधिक केस सामने आए हैं, जबकि 2.61 लाख लोगों ने खतरनाक वायरस से जान गंवा दी है। वहीं, बात भारत की करें, तब पिछले 24 घंटों में 4 हजार 362 नए कोविड मामले सामने आए हैं। बीते 24 घंटों में कोरोना के दैनिक आंकड़ों में 20 फीसदी कमी हुई है,देश में लगातार 29 दिनों से दैनिक कोविड-19 मामले एक लाख से कम रहे हैं। इस दौरान देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना से 66 लोगों की मौत हुई है।

एफपीआई ने भारतीय बाजार से 17,537 करोड़ निकाले

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय बाजार से पैसे निकालने का सिलसिला जारी है। एफपीआई ने मार्च के 3 ट्रेडिंग सेशन में भारतीय बाजारों से 17,537 करोड़ रुपए की निकासी की है। विदेशी निवेशकों की धारणा रूस-यूक्रेन संघर्ष और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से उत्पन्न अनिश्चितता से प्रभावित हुई। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने 2 से 4 मार्च के दौरान इक्विटी से 14,721 करोड़ रुपए और डेट सेगमेंट से 2,808 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस दौरान उन्होंने हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में 9 करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे कुल नेट आउटफ्लो 17,537 रुपए करोड़ हो गया।गौरतलब है कि एफपीआई अक्टूबर, 2021 से लगातार भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं। फरवरी, 2022 में एफपीआई की निकासी मार्च, 2020 के बाद सबसे ऊंची रही है। बाजार ?विशेषज्ञ कहते हैं ?कि युद्ध से उत्पन्न अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से वैश्विक स्तर पर बाजार की धारणा प्रभावित हुई है।

यूएन में रूस के खिलाफ वोटिंग के लिए डाला गया दबाव, हम पश्चिम के गुलाम नहीं : इमरान

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मतदान में यूक्रेन के खिलाफ रूस की आक्रामकता की निंदा करने के लिए पाकिस्तान पर भारी दबाव डाला गया था। इस बैठक में भारत, पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात ने भाग नहीं लिया था। इमरान ने इस दबाव के लिए इस्लामाबाद स्थित पश्चिमी राजदूतों को फटकार लगाई है। एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए इमरान खान ने 22 राजनयिक मिशनों के प्रमुखों की ओर से जारी संयुक्त पत्र के जवाब में कहा कि पाकिस्तान पश्चिमी देशों का गुलाम नहीं है, कि उनकी इच्छा के अनुसार काम करे। संयुक्त पत्र में पाकिस्तान से संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस की निंदा करने वाले प्रस्ताव का समर्थन करने का आग्रह किया गया था। उन्होंने कहा मैं यूरोपीय संघ के राजदूतों से पूछना चाहता हूं कि क्या आपने भारत को ऐसा पत्र लिखा है? इमरान ने कहा, आप हमारे बारे में क्या सोचते हैं? क्या हम आपके गुलाम हैं कि जो कुछ कहोगे, हम वैसा ही करेंगे? उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को नुकसान हुआ क्योंकि उसने अफगानिस्तान में पश्चिमी नाटो गठबंधन का समर्थन किया था।

इमरान खान ने कहा संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, रूस, चीन और यूरोप के साथ हमारी दोस्ती है। हम किसी भी कैंप में नहीं हैं। चूंकि हम तटस्थ हैं, हम यूक्रेन में इस युद्ध को समाप्त करने के प्रयास के लिए इन देशों के साथ सहयोग करने का प्रयास करेंगे। एक मार्च को जर्मनी और फ्रांस सहित पाकिस्तान में विभिन्न विदेशी मिशनों के प्रमुखों ने 25 फरवरी के यूएनएससी प्रस्ताव को लेकर संयुक्त पत्र लिखा था।

राजनयिकों के अनुसार पत्र को सार्वजनिक रूप से जारी करने का कदम दुर्लभ था। पत्र पर ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, चेक गणराज्य, डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, हंगरी, इटली, पुर्तगाल, पोलैंड, रोमानिया, स्पेन, स्वीडन, नीदरलैंड, जापान, नॉर्वे और स्विटजरलैंड के राजदूतों ने हस्ताक्षर किए थे। पाकिस्तान में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख ने कहा प्रस्ताव का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर यूक्रेन की संप्रभुता, स्वतंत्रता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करना था। इसके साथ ही यूक्रेन के खिलाफ रूस की आक्रामकता की कड़ी निंदा करना भी मकसद था। मालूम हो कि जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन पर विशेष सैन्य अभियान को मंजूरी दी तो इमरान खान मॉस्को की यात्रा पर थे, जिसकी काफी आलोचना हुई। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव पर मतदान से पाकिस्तान ने परहेज किया।

आईपीएल के 15 वें सत्र का कार्यक्रम , सीएसके और केकेआर में होगा शुरुआती मुकाबला

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। आईपीएल के मुकाबले 26 मार्च से शुरु होंगे। इसमें पहला मुकाबला मौजूदा चैम्पियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और गत वर्ष की उपविजेता रही कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के बीच मुम्बई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा। यह मैच मैच शाम 7.30 बजे से शुरू होगा। इस बार 8 की जगह 10 टीमें उतर रही हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस को पहली बार आईपीएल में अवसर मिला है। लखनऊ के कप्तान लोकेश राहुल होंगे जबकि हार्दिक पंडया गुजरात की कप्तानी करेंगे। 28 मार्च को नई टीमें लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस का मुकाबला वानखेड़े स्टेडियम में होगा।

इस बार लीग दौर के 70 मुकाबले मुंबई और पुणे में खेले जाएंगे।

वहीं प्लेऑफ के भी 4 मैच खेले जाएंगे। इस तरह 65 दिन में कुल 74 मुकाबले खेले जाएंगे। इस बार 12 हेडल (एक दिन में दो मुकाबले) भी होंगे।

27 मार्च रविवार को 2 मुकाबले खेले जाएंगे। पहले मैच में दोपहर 3.30 बजे मुंबई इंडियंस की टक्कर दिल्ली कैपिटल्स से ब्रेबोर्न स्टेडियम में होगी। वहीं शाम को डीआई पाटिल स्टेडियम में पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) में मुकाबला होगा। इस बार कुल 12 डबल हेडर (एक दिन में दो मैच) वाले मुकाबले खेले जाएंगे। डीवाई पाटिल और वानखेड़े में 20-20 मैच जबकि ब्रेबोन और पुणे में 15-15 मैच खेले जाएंगे।

आईपीएम का पूरा कार्यक्रम इस प्रकार है :

मैच	तारीख	समय	टीम 1 टीम 2
1	26 मार्च	19:30 बजे	चेन्नई सुपर किंग्स विरुद्ध कोलकाता नाइटराइडर्स, वानखेड़े स्टेडियम
2	27 मार्च	15:30 बजे	दिल्ली कैपिटल्स विरुद्ध मुंबई इंडियंस, ब्रेबोर्न स्टेडियम
3	27 मार्च	19:30 बजे	पंजाब किंग्स विरुद्ध रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, डीवाई पाटिल स्टेडियम
4	28 मार्च	19:30 बजे	गुजरात टाइटंस विरुद्ध लखनऊ सुपर जायंट्स, वानखेड़े स्टेडियम
5	29 मार्च	19:30 बजे	सनराइजर्स हैदराबाद विरुद्ध राजस्थान रॉयल्स, एमसीए स्टेडियम
6	30 मार्च	19:30 बजे	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर विरुद्ध कोलकाता नाइटराइडर्स, डीवाई पाटिल स्टेडियम
7	31 मार्च	19:30 बजे	लखनऊ सुपर जायंट्स विरुद्ध विरुद्ध चेन्नई सुपर किंग्स, ब्रेबोर्न स्टेडियम
8	1 अप्रैल	19:30 बजे	कोलकाता नाइटराइडर्स विरुद्ध पंजाब किंग्स, वानखेड़े स्टेडियम
9	2 अप्रैल	15:30 बजे	मुंबई इंडियंस विरुद्ध राजस्थान रॉयल्स, डीवाई पाटिल स्टेडियम
10	2 अप्रैल	19:30 बजे	गुजरात टाइटंस विरुद्ध दिल्ली कैपिटल्स, एमसीए स्टेडियम
11	3 अप्रैल	19:30 बजे	चेन्नई सुपर किंग्स विरुद्ध पंजाब किंग्स. ब्रेबोर्न स्टेडियम
12	4 अप्रैल	19:30 बजे	सनराइजर्स हैदराबाद विरुद्ध लखनऊ सुपर जायंट्स, डीवाई पाटिल स्टेडियम
13	5 अप्रैल	19:30 बजे	राजस्थान रॉयल्स विरुद्ध रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, वानखेड़े स्टेडियम
14	6 अप्रैल	19:30 बजे	कोलकाता नाइटराइडर्स विरुद्ध मुंबई इंडियंस, एमसीए स्टेडियम
15	7 अप्रैल	19:30 बजे	लखनऊ सुपर जायंट्स विरुद्ध दिल्ली कैपिटल्स, डीवाई पाटिल स्टेडियम
16	8 अप्रैल	19:30 बजे	पंजाब किंग्स विरुद्ध गुजरात टाइटंस, ब्रेबोर्न स्टेडियम
17	9 अप्रैल	15:30 बजे	चेन्नई सुपर किंग्स विरुद्ध सनराइजर्स हैदराबाद, डीवाई पाटिल स्टेडियम
18	9 अप्रैल	19:30 बजे	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर विरुद्ध मुंबई इंडियंस, एमसीए स्टेडियम
19	10 अप्रैल	15:30 बजे	कोलकाता नाइटराइडर्स विरुद्ध दिल्ली कैपिटल्स, ब्रेबोर्न स्टेडियम
20	10 अप्रैल	19:30 बजे	राजस्थान रॉयल्स विरुद्ध लखनऊ सुपर जायंट्स, वानखेड़े स्टेडियम
21	11 अप्रैल	19:30 बजे	सनराइजर्स हैदराबाद विरुद्ध गुजरात टाइटंस, डीवाई पाटिल स्टेडियम
22	12 अप्रैल	19:30 बजे	चेन्नई सुपर किंग्स विरुद्ध रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, डीवाई पाटिल स्टेडियम
23	13 अप्रैल	19:30 बजे	मुंबई इंडियंस विरुद्ध पंजाब किंग्स, एमसीए स्टेडियम
24	14 अप्रैल	19:30 बजे	राजस्थान रॉयल्स विरुद्ध गुजरात टाइटंस, डीवाई पाटिल स्टेडियम
25	15 अप्रैल	19:30 बजे	सनराइजर्स हैदराबाद विरुद्ध कोलकाता नाइटराइडर्स, ब्रेबोर्न स्टेडियम
26	16 अप्रैल	15:30 बजे	मुंबई इंडियंस विरुद्ध लखनऊ सुपर जायंट्स,ब्रेबोर्न स्टेडियम
27	16 अप्रैल	19:30 बजे	दिल्ली कैपिटल्स विरुद्ध रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, वानखेड़े स्टेडियम
28	17 अप्रैल	15:30 बजे	पंजाब किंग्स विरुद्ध सनराइजर्स हैदराबाद, डीवाई पाटिल स्टेडियम
29	17 अप्रैल	19:30 बजे	गुजरात टाइटंस विरुद्ध चेन्नई सुपर किंग्स, एमसीए स्टेडियम
30	18 अप्रैल	19:30 बजे	राजस्थान रॉयल्स विरुद्ध कोलकाता नाइटराइडर्स, ब्रेबोर्न स्टेडियम
31	19 अप्रैल	19:30 बजे	लखनऊ सुपर जायंट्स विरुद्ध रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर,डीवाई पाटिल स्टेडियम
32	20 अप्रैल	19:30 बजे	दिल्ली कैपिटल्स विरुद्ध पंजाब किंग्स,एमसीए स्टेडियम
33	21 अप्रैल	19:30 बजे	मुंबई इंडियंस विरुद्ध चेन्नई सुपर किंग्स, डीवाई पाटिल स्टेडियम
34	22 अप्रैल	19:30 बजे	दिल्ली कैपिटल्स विरुद्ध राजस्थान रॉयल्स, एमसीए स्टेडियम
35	23 अप्रैल	15:30 बजे	कोलकाता नाइटराइडर्स विरुद्ध गुजरात टाइटंस, डीवाई पाटिल स्टेडियम
36	23 अप्रैल	19:30 बजे	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर विरुद्ध सनराइजर्स हैदराबाद, ब्रेबोर्न स्टेडियम
37	24 अप्रैल	19:30 बजे	लखनऊ सुपर जायंट्स विरुद्ध मुंबई इंडियंस, वानखेड़े स्टेडियम
38	25 अप्रैल	19:30 बजे	पंजाब किंग्स विरुद्ध चेन्नई सुपर किंग्स, वानखेड़े स्टेडियम
39	26 अप्रैल	19:30 बजे	रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर विरुद्ध राजस्थान रॉयल्स, एमसीए स्टेडियम
40	27 अप्रैल	19:30 बजे	गुजरात टाइटंस विरुद्ध सनराइजर्स हैदराबाद, वानखेड़े स्टेडियम।

वैश्विक बाजारों में ईरानी कच्चा तेल न आने से बढ़ी कीमतें

न्यूयार्क (ईएमएस)। वैश्विक बाजारों में ईरानी कच्चे तेल के न आने से तेल की कीमतें 2008 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं और संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय सहयोगी रूसी तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। विश्व शक्तियों के साथ ईरान के 2015 के परमाणु समझौते को फिर से जीवित करने के लिए वार्ता रविवार को अनिश्चितता के भंवर में फंस गई। रूस की यूएस गारंटी की मांग के बाद कि यूक्रेन संघर्ष पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। वह तेहरान के साथ अपने व्यापार को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। सूत्रों के मुताबिक चीन ने भी नई मांगें उठाई हैं। रूस की मांगों के जवाब में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि यूक्रेन के आक्रमण पर रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों का ईरान के साथ संभावित परमाणु समझौते से कोई लेना-देना नहीं है। गौरतलब है ?कि र?विवार शाम 6:50 बजे तक ब्रेंट 11.67 डॉलर 129.78 डॉलर प्रति बैरल हो गया। जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 10.83 डॉलर बढ़कर 126.51 डॉलर हो गया।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच रूस से तेल और प्राकृतिक गैस के आयात पर प्रतिबंध लगाने के बारे में बातचीत चल रही है। ब्लिंकन ने सीएनएन से रविवार को कहा था कि राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक दिन पहले इस विषय पर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक की थी। बाइडन और पश्चिमी देशों ने अब तक रूस के ऊर्जा उद्योग पर प्रतिबंध नहीं लगाए हैं ताकि इससे उनकी अर्थव्यवस्थाओं पर असर नहीं पड़े। ब्लिंकन ने कहा ?कि हम अपने यूरोपीय साझेदारों और सहयोगियों से रूस से तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने की संभावना पर बात कर रहे हैं साथ ही यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि दुनियाभर के बाजारों में तेल की पर्याप्त आपूर्ति रहे।

रूस से तेल और गैस के आयात पर प्रतिबंध लगा सकता है अमेरिका

वांशिगटन (ईएमएस)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच रूस से तेल और प्राकृतिक गैस के आयात पर प्रतिबंध लगाने के बारे में बातचीत चल रही है। तेल और गैस आयात के बारे में पूछने पर ब्लिंकन ने सीएनएन से कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक दिन पहले इस विषय पर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक की थी। बाइडेन और पश्चिमी देशों ने अब तक रूस के ऊर्जा उद्योग पर प्रतिबंध नहीं लगाए हैं ताकि इससे उनकी अर्थव्यवस्थाओं पर असर नहीं पड़े। ब्लिंकन ने कहा ?कि हम अपने यूरोपीय साझेदारों और सहयोगियों से रूस से तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने की संभावना पर बात कर रहे हैं साथ ही यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि दुनियाभर के बाजारों में तेल की पर्याप्त आपूर्ति रहे। रूसी सेना ने यूक्रेन के अलग-अलग क्षेत्रों डोनेट्स्क और लुहान्स्क को स्वतंत्र संस्थाओं के रूप में मान्यता देने के तीन दिन बाद 24 फरवरी को यूक्रेन में सैन्य अभियान शुरू किया, जिसके बाद पश्चिमी देशों ने कई प्रतिबंध लगाए। रूस लगातार यूक्रेन पर हमला बढ़ाता ही जा रहा है और इसी के चलते पश्चिमी देश खासकर अमेरिका-ब्रिटेन की ओर से रूस पर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं।

कच्चा तेल 130 डॉलर, पेट्रोल-डीजल हो सकता है महंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। वै?श्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमत सोमवार को 130 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई जो 2008 के बाद इसका उच्चतम स्तर है। अमेरिका और उसके सहयोगी देश रूस से तेल के आयात पर पाबंदी लगाने पर विचार कर रहे हैं। साथ ही ईरान के कच्चे तेल के वैश्विक बाजारों में आने में देरी हो सकती है। इन कारणों से क्रूड की कीमतें 14 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। इससे भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमत में आने वाले दिनों में 25 रुपये प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी हो सकती है। जानकारी के मुताबिक सोमवार को शुरुआती कारोबार में ब्रेंट की कीमत 11.67 डॉलर की उछाल के साथ 129.78 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 10.83 डॉलर की तेजी के साथ 126.51 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। यह मई 2020 के बाद तेल की कीमत में सबसे बड़ी एक दिनी उछाल है। जुलाई 2008 में ब्रेंट 147.50 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 147.27 डॉलर प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। रविवार को कारोबार के दौरान ये दोनों क्रमशः 139.13 डॉलर और 130.50 डॉलर के भाव पर पहुंचे थे। इस साल कच्चे तेल की कीमत 185 डॉलर प्रति बैरल पहुंच सकती है। रूस रोजाना करीब 70 लाख बैरल तेल की सप्लाई करता है जो दुनिया की कुल सप्लाई का सात फीसदी है। विश्लेषकों के मुताबिक अगर रूस से तेल के निर्यात में कटौती होती है तो कच्चे तेल की कीमत 200 प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। दूसरी ओर ईरान के साथ अगर न्यूक्लियर डील होती है तो भी वहां से कच्चे तेल के वै?श्विक बाजार तक पहुंचने में कई महीने लग सकते हैं।

रुस-यूक्रेन जंग नहीं, इससे पहले भी कई बार गिरा शेयर बाजार

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय इक्विटी बेंचमार्क्स सेंसेक्स और निफ्टी 50 को सोमवार को गैप-डाउन ओपनिंग के बाद बड़ा नुकसान हुआ है। इसका कारण है रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए हमले के चलते कच्चे तेल की कीमतें बढ़ना हैं। कच्चा तेल रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच 130 डॉलर प्रति बैरल के निशान से ऊपर निकल गया है। बहुत सारे नए निवेशकों ने ऐसी गिरावट नहीं देखी होगी। तब आज हम आपको यहां विश्व इतिहास की सबसे बड़ी और भयावह गिरावटों को बारे में जानकारी दे रहे हैं।

1907 की दहशत

इस 1907 के बैंकर्स पैनिक के नाम से जाना जाता है। घटना बड़े पैमाने पर बाजार गिरने का पहला बड़ा और प्रसिद्ध उदाहरण है। नाइकरबॉकर ट्रस्ट कंपनी ने कॉपर के शेयरों की कीमतों में हेरफेर के बाद न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में स्टॉक की कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट आई थी। यह घटना आर्थिक मंदी के बीच हुई और इससे बाजार में बड़े स्तर पर डर का माहौल बन गया था।

1929 में वॉल स्ट्रीट क्रैश

वहीं 10 सालों तक लगातार बाजार की समृद्धि के बाद 1930 के दशक की शुरुआत डरावनी थी। 10 सालों की आर्थिक वृद्धि को रोरिंग टवीटिस के नाम से जाना जाता है। जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच रही थी, तब इसकी गति धीरे-धीरे शिफ्ट होने लगी और कॉन्ट्रैक्शन शुरू हो गया। इसके कारण एक के बाद एक ऐसी घटनाएं होती चली गईं, जिसकी वजह से 25 अक्टूबर 1929 को डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 12 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इस ब्लैक फ्राइडे कहा गया। लगभग एक दशक तक पूंजीवादी आर्थिक व्यवस्था के बड़े हिस्से में फैले डर के चलते द्वितीय विश्व युद्ध का के लिए राजनीतिक परिवर्तनों को जन्म दिया।

1987 का काला सोमवार

एक और भयंकर गिरावट 19 अक्टूबर को हुई, जब डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 22 प्रतिशत से अधिक गिर गया। यह 508 अंकों की गिरावट प्रतिशत के लिहाज से एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट के रूप में दर्ज है। उस घटना को ब्लैक मंडे अथवा काला सोमवार के नाम से जाना गया। हालांकि बाजार में डर था और समझा जा रहा था कि ऐसी ही गिरावट फिर से हो सकती है, लेकिन अमेरिकी बाजार में अगले दिन काफी सुधार हुआ था।

2007 का वैश्विक वित्तीय संकट

सहस्त्राब्दी में मार्केट की सबसे बड़ी गिरावट अक्टूबर 2007 में देखने को मिली। अमेरिका में कई वित्तीय संस्थानों की विफलता सामने आई और इसके बाद बाजारों में भूचाल आ गया। यह कंपन यूरोप और दुनिया के अन्य हिस्सों में फैलते देर नहीं लगी, जिससे शेयरों के कीमतों में जबरदस्त गिरावट आई। 2009 के मध्य तक बाजार में गिरावट जारी रही, जब अमेरिकी सूचकांक 50 प्रतिशत से अधिक गिर गए।

2020 में कोरोनावायरस संकट

फरवरी-मार्च 2020 में, दुनियाभर के शेयर बाजारों में कोरोनो महामारी की आशंकाओं के कारण काफी गिरावट आई। मार्च 2020 की शुरुआत में वैश्विक बाजारों में तनाव पैदा हो गया था, क्योंकि कोरोना कई और देशों में फैल रहा है।

आशीष दुबे / 07 मार्च 2022

अहमदाबाद में बागबान समूह के 31 ठिकानों पर आयकर विभाग का छापा

अहमदाबाद, आयकर विभाग ने अहमदाबाद में बागबान समूह के 31 ठिकानों पर छापा मारा। सौ से अधिक आयकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीमें इस सर्च व छापे में शामिल है। फूड एंड बेवरेज ग्रुप उर्मिन के अहमदाबाद सिंधु भवन मार्ग सरखेज गांधीनगर हाईवे पर स्थित मुख्यालय पर आयकर विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सोमवार सुबह सर्च एवं छापे की कार्रवाई शुरू की। उर्मिन ग्रुप ऑफ़ कंपनीज के 31 व्यापारिक एवं रिहायशी ठिकानों पर करीब 100 टीमें एक साथ सर्च की कार्रवाई कर रही है। कंपनी पर बेनामी संपत्ति एवं अवैध रूप से धन जमा करने का शक है। अभी तक इस छापे को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है तथा कंपनी के प्रमोटर तथा भागीदारों के लॉकर एवं बैंक खातों को सील करने की भी अभी तक कोई सूचना नहीं है।

आयकर विभाग की कार्यवाही में बेनामी लेन-देन के बारे में जांच की जाएगी। कार्यवाही के दौरान दस्तावेजी और इलेक्ट्रोनिक माध्यम से सबूत एकत्र किए जाएंगे। बता दें कि इससे पहले अहमदाबाद के 3 विख्यात बिल्डर ग्रुप शिवालिक, शिल्प और शारदा पर आयकर विभाग ने रेड की थी। आयकर विभाग के 150 जितने अधिकारियों की टीम ने इन तीन ग्रुपों के यहां रेड कर रु. 1 करोड़ नकद बरामद किए थे और 20 बैंक लॉकर सील कर दिए थे। कार्यवाही में बिल्डर ग्रुप के महत्वपूर्ण डिजिटल डेटा भी आयकर विभाग ने जब्त किया था। बिल्डर ग्रुप के यहां कार्यवाही में आयकर विभाग को रु. 500 करोड़ के बेनामी दस्तावेज भी मिले थे।

कंपनी एवं इसके मालिकों के आर्थिक व्यवहार तथा दस्तावेजों की जांच के बाद ही पता चल सकेगा कि कितने करोड़ रुपए का अवैध लेन-देन तथा बेनामी संपत्ति का मामला है। आयकर विभाग को लंबे समय से और मेन ग्रुप ऑफ कंपनी की बेनामी संपत्ति एवं अवैध लेनदेन की जानकारी मिल रही थी प्रारंभिक सूचनाएं पुख्ता करने के बाद सोमवार सुबह कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारी विविध टीमें बनाकर कंपनी के अलग-अलग कार्यालय एवं इसके प्रमोटर के आवासीय स्थानों पर एक साथ तलाशी एवं छापे की कार्रवाई की गई।

एक तरफा प्यार में पागल शख्स ने महिला पर किया एसिड अटैक, आरोपी की तलाश शुरू

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के घाटलोडिया क्षेत्र में एक तरफा प्यार में पागल युवक 39 वर्षीय महिला पर तेजाब फैंक फरार हो गया। एसिड अटैक में महिला का मुंह और सीने का 15 प्रतिशत झुलस गया है। फिलहाल महिला को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरी ओर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के घाटलोडिया क्षेत्र में महिला अपने पति से अलग रहती है। दो संतानों के साथ महिला लोगों के घरों में काम कर जीवनयापन करती है। घरों में काम करने के बाद महिला शिवा नायक नामक ऑटो रिक्शा चालक के घर जाती थी। उस दौरान उसका शिवा नायक से परिचय हुआ और एक-दूसरे से काफी समय तक बातचीत करते। बाद में शिवा नायक उसके साथ मित्रता करने का दबाव बनाने लगा, जिससे महिला ने उसके साथ बातचीत करना बंद कर दिया। बीती रात अचानक शिवा नायक ने अपने घर जा रही महिला को रोक बातचीत करने का प्रयास किया। लेकिन महिला वहां रुकी नहीं और चली गई। जिससे शिवा भड़क गया और कुछ देर बाद तेजाब से भरी बोतल ले आया और सरेआम महिला पर एसिड छिड़क वहां से फरार हो गया। घाटलोडिया पुलिस ने शिवा नायक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की कवायद तेज कर दी है।

देश के लिए जीने और मरने की प्रेरणा देती है आदिवासियों की राष्ट्रभक्ति और आजादी की जंग में उनके योगदान की शौर्य गाथा: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि अंग्रेजों के जुल्मी शासन के खिलाफ अपने प्राण न्योछावर करने वाले आदिवासियों की राष्ट्रभक्ति, वतन प्रेम और शौर्य गाथा हमें सदैव 'देश के लिए जीने और देश के लिए मरने' की प्रेरणा देती है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि लगान में मनमाने ढंग से बढ़ोतरी के जुल्म के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए 7 मार्च, 1922 को पाल-दढवाव गांव में एकत्रित हुए 1200 आदिवासी बंधुओं पर अंग्रेजों ने गोलियां बरसाकर उन्हें छलनी कर दिया था। 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड से भी अधिक क्रूर यह हत्याकांड गुजरात के साबरकांठा जिले के पाल-दढवाव में हुआ था। इस भीषण रक्तपात को इतिहास में शहीद स्मृति दिवस के तौर पर अमर बनाए रखने के लिए 7 मार्च, 2022 को पाल-दढवाव में शहीद शताब्दी दिन के रूप में मनाया गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस स्मृति दिवस कार्यक्रम में शिरकत कर वनवासी शहीदों को भावांजलि दी। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि इन 1200 वनवासी शहीद वीरों की स्मृति को चिरंजीव रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान वर्ष 2003 में 1200 पौधे लगाकर शहीद स्मृति वन स्थापित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि यह शहीद स्मृति वन उन आदिवासी शहीदों को यथोचित श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम की ऐसी भुला दी गई घटना और आजादी की जंग के उन गुमनाम नायकों को जनमानस में उजागर करने के लिए इस वर्ष प्रधानमंत्री की प्रेरणा से 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष नई दिल्ली में आयोजित हुए गणतंत्र दिवस समारोह की परेड में गुजरात की इस ऐतिहासिक वनवासी शहीद गाथा को देश के समक्ष प्रस्तुत करने वाली झांकी भी प्रदर्शित की गई थी। मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम और उससे पूर्व की क्रांति दोनों में मोतीलाल तेजावत और गोविंद गुरु जैसे क्रांतिवीरों के नेतृत्व में आदिवासियों द्वारा दिए गए योगदान को राष्ट्रभक्ति की बेहतरीन मिसाल करार दिया। उन्होंने वनवासियों के ऐसे शौर्य, बलिदान और योगदान को युगों-युगों तक जीवंत रखने के साथ वनबंधुओं के सर्वग्राही विकास को तेजी देने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर आदिजाति कल्याण मंत्री नरेश पटेल, राज्य मंत्री विनोद मोरड़िया तथा आदिजाति विकास विभाग के सचिव डॉ. मुरली कृष्णा गांधीनगर से सहभागी बने। पाल-दढवाव में कार्यक्रम स्थल पर शिक्षा राज्य मंत्री कुबेर डिंडोर, सांसद दीपसिंह और श्रीमती रमीलाबेन बारा सहित जिले के पदाधिकारी, अधिकारी एवं आदिवासी बंधु उपस्थित थे।

यूक्रेन से वापस आये विद्यार्थियों के लिए

स्थानीय मेडिकल में प्रवेश देने की मांग के सामने उठे के विरोध के सूर

मेरिट में आकर देश की मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन लेने वाले विद्यार्थियों के साथ अन्याय होगा यह अभिभावकों का विरोध

अहमदाबाद, ७ मार्च।

यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई करते १८ हजार से ज्यादा विद्यार्थी भारत में वापस लाने का कामकाज चालू है। अधिकतर विद्यार्थी वापस आ गये है और कई आगामी दिनों में वापस आएंगे। इस स्थिति में अब यूक्रेन फिर से वापस जा सके ऐसा नहीं होने से विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा नेशनल मेडिकल कमिशन के समक्ष मांग की गई है कि देश की अलग-अलग कॉलेजों में यह विद्यार्थियों को प्रवेश देना चाहिए। हालांकि, यह मांग के खिलाफ देश में विरोध उठने लगा है। इस मुद्दे पर कोई निर्णय होगा तो इस पर कोई कड़ी प्रतिक्रिया होने की संभावना फिलहाल दिखाई दे रही है। भारत में से हर वर्ष में बड़ी संख्या में विद्यार्थी यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए जाते हैं। भारत में मेडिकल कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए नीट की परीक्षा पास करने के साथ मेरिट में आना जरूरी है। जिन विद्यार्थियों को कक्षा-१२ में कम मार्क्स हो या नीट पास करने में विफल रहे हो वह सभी यूक्रेन, फिलीपाइन्स, रूस सहित के अलग-अलग देशों में मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए जाते हैं। फिलहाल यूक्रेन में भारत के करीब २० हजार विद्यार्थी मेडिकल की पढ़ाई करेंगे। लेकिन यूक्रेन में युद्ध शुरू होने पर अधिकतर विद्यार्थी भारत वापस आ गये है या आगामी दिनों में आ जाएंगे। यूक्रेन से वापस आये विद्यार्थियों की जान बच जाना ईश्वर की ही देन है। दूसरी तरफ यूक्रेन में स्थिति शांत हो और मेडिकल के विद्यार्थी वहां वापस जाने का मौका मिले तो उनकी पढ़ाई बिगड़ सकती है। इस तरह ऐसा नहीं हो इसके लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा नेशनल मेडिकल कमिशन को पेशकश की गई है कि यह विद्यार्थियों को देश की अलग-अलग मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश देना चाहिए। यह विद्यार्थियों की पढ़ाई अधुरी रह जाएगी तो उनका करियर खराब होगा।

स्कूलें तो शुरू हुई, क्लास में ध्यान नहीं दे सकते विद्यार्थी

स्कूलें शुरू होने से बच्चों में जिस स्क्रीन एडिक्शन था इसमें भी उल्लेखनीय कमी देखने को मिल रही है

अहमदाबाद, ७ मार्च।

रेहान (नाम बदला है) जो कक्षा ९ का विद्यार्थी है यह कोविड-१९ का संक्रमण लगेगा इस डर से ब्रेक के दौरान बाहर जाते समय मास्क उतरने ा इनकार कर देता है।

कक्षा-६ की विद्यार्थिनी अनिका (नाम बदला है) क्लास के दौरान के बीच कुछ खाने के लिए या बाहर चक्कर लगाने का इंतजार करता है। १५ फरवरी से अनिवार्य ऑफलाइन शिक्षा शुरू किए जाने का ५ मार्च को शनिवार को एक पखवाडिया पूरा हो गया। राज्य के मेंटल हेल्थ प्रोग्राम का प्राथमिक सर्वे बताता है कि व्यक्तिगत रूप से स्कूलों में पढ़ने में करीब दो वर्ष की अनुपस्थिति का परिणाम कम ध्यान और उनकी सिखने की क्षमता के बारे में आशंका जैसी समस्या में बदल गया है।

दूसरी तरफ मेन्टल हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया है कि, स्कूलें खुलने से बच्चों में स्क्रीन एडिक्शन और गुस्सा या तनाव जैसी समस्याओं में उल्लेखनीय कमी हुई है। अहमदाबाद की मेन्टल हेल्थ अस्पताल के अधीक्षक और स्टेट मेन्टल हेल्थ प्रोग्राम के प्रोग्राम अधिकारी डॉ. अजय चौहाण ने बताया है कि, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बच्चों की सुखाकारी के लिए महत्व का घटक होगा। हमने डिस्ट्रिक्ट मेंटल हेल्थ प्रोग्राम के तहत कई स्कूलों में अभी पहले से शुरू की है और इसका परिणाम देखने के लिए कुछ समय लगेगा। कई स्कूलों में सत्र की अंतिम परीक्षाएं होने जा रही है, यह उन्होंने कहा कि करीब ९०० डॉक्टर विद्यार्थियों का मूल्यांकन करेंगे और जिनको सहायता की जरूरत होगी उनको १४ मेडिकल कॉलेज और ४ मेंटल हेल्थ अस्पतालों के विशेषज्ञों के पास भेजा जा सकेगा। सभासद जो इस पहल के साथ जुड़े हुए है उन्होंने कहा कि, कई बच्चों के लिए लांबा क्लास एक समस्या होने की जानकारी मिली, क्योंकि वह क्लास के दौरान कुछ न कुछ खाना या चेट या गैम खेलने के लिए गजेट का उपयोग करने के आदी थे। कई को सीखने में भी तकलीफ हो रही है क्योंकि ऑनलाइन की जैसे क्लास में वह परिवार के सदस्यों की कोई मदद नहीं ले सकते हैं।

गुजरात में तीन दिन बेमौसमी बारिश का अनुमान, किसानों की चिंता बढ़ी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में गर्मी ने दस्तक दे दी है और तापमान 35 डिग्री के आसपास पहुंच गया है। इस बीच मौसम विभाग ने तीन राज्य में बेमौसमी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के इस अनुमान ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग के मुताबिक आज से 9 मार्च के दौरान छोटाउदेपुर, नर्मदा, तापी, डांग, सूरत, भरुच, वलसाड, दमण और दादरा नगर हवेली में बेमौसमी बारिश हो सकती है। वहीं सौराष्ट्र के भावनगर, अमरेली, मध्य गुजरात के आणंद, वडोदरा, दाहोद, पंचमहल, वडोदरा, महीसागर, खेडा तथा उत्तर गुजरात के अरवल्ली में भी बेमौसमी बारिश होने का अनुमान है। राज्य में बेमौसमी बारिश होने खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान को लेकर किसानों में चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग के मुताबिक इस दौरान राज्य मं न्यूनतम तापमान 15 से 20 डिग्री और अधिकतम तापमान 35 से 36 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। वैसे तो गुजरात में ठंड धीरे धीरे बिदा हो रही है और राज्य के ज्यादातर शहरों का तापमान 35 डिग्री के आसपास है। ऐसे में पिछले दो दिन से न्यूनतम तापमान गिरने से सुबह और रात को ठंड तथा दिन के दौरान गर्मी का अहसास हो रहा है। रात्रि के दौरान राज्य में अब भी ठंड महसूस होती है। ऐसे में मौसम विभाग ने तीन दिन बेमौसमी बारिश का अनुमान व्यक्त किया है। इस दौरान राज्य के अन्य हिस्सों में ठंडी हवा चलेगी।

विश्व महिला दिवस पर आज पीएम मोदी कच्छ में महिला संतों के सेमिनार को संबोधित करेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के तौर पर मनाया जाता है और इस मौके पर कच्छ के धोरडो में महिला संतों के एक सेमिनार का आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को महिला संतों के सेमिनार को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक समाज में महिला संतों की भूमिका और महिला सशक्तिकरण में उनके योगदान की पहचान के लिए कच्छ के धोरडो में सेमिनार का आयोजन किया गया है। इस सेमिनार में 500 से ज्यादा महिला संत भाग लेंगी। सेमिनार में संस्कृति, धर्म, महिला उत्थान, सुरक्षा, सामाजिक स्थिति और भारतीय संस्कृति में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा होगी। साथ ही महिलाओं की सिद्धि के साथ-साथ महिलाओं को लाभ देने वाली केन्द्र और राज्य सरकारों की कल्याणकारी योजनाओं की भी चर्चा की जाएगी। इस सेमिनार में केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, साध्वी निरंजन ज्योति और भारती प्रवीण पवार भी शामिल होंगी। सेमिनार में साध्वी ऋतंभरा, महामंडलेश्वर कंकेश्वरी देवी समेत अन्य महिला संत भी उपस्थित रहेंगी।

सरकार द्वारा आदिजाति बेटियों की शादी में रु. 12000 की आर्थिक सहायता : निमिषा सुथार

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार द्वारा आदिजाति बेटियों की शादी में मदद करने के उद्देश्य से 'कुंवरबाईनुं मामेरा' योजना के तहत रु. 12000 की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह रकम डीबीटी के माध्यम से सीधे बेटी के एकाउंट में जमा की जाती है। आदिजाति विकास राज्यमंत्री निमिषा सुथार ने आज राज्य विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीण इलाकों में प्रति वर्ष रु. 1.20 लाख और शहरी क्षेत्र में प्रति वर्ष रु. 1.50 लाख की आय वाले दंपत्ति की दो बेटियों की शादी में सहायता दी जाती है। वर्ष 2012 में रु. 5000 की सहायता राशि बढ़ाकर रु. 10000 कर दी गई। वर्ष 2021 में यह सहायता राशि रु. 10000 से बढ़ाकर रु. 12000 कर दी गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014-15 तक एक बेटी की शादी के लिए आर्थिक सहायता दी जाती थी, जिसमें संशोधन कर अब दो पुत्रियों की शादी में सहायता दी जाती है। निमिषा सुथार ने बताया कि इस योजना के तहत सहायता पाने के लिए तहसील स्तर पर आदिजाति की कचहरी में आवेदन देना होता है। जिसके बाद जिला स्तर पर सहायक आदिजाति आयुक्त की कचहरी में आवेदन की जांच कर लाभार्थियों के खाते में डीबीटी के जरिए सीधे रकम जमा करवाई जाती है। सहायता के लिए आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, शादी का कार्ड और राशन कार्ड के साथ आवेदन देना होता है। निमिषा सुथार ने बताया कि पिछले दो वर्ष में दिसंबर 2021 तक आदिजाति की कुल 907 लड़कियों को शादी के लिए 'कुंवरबाईनुं मामेरा' योजना के तहत आर्थिक सहायता दी गई है।

नया कोई केस नहीं हो इसे ध्यान में रखकर फिर आंदोलन करेंगे

अहमदाबाद, ७ मार्च।

चुनाव वर्ष में फिर से पास गुजरात सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे। आंदोलन के समय पाटीदारों के खिलाफ हुए केस वापस लेने की मांग उग्र हो रही है। साणंद में पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति की बैठक हुई थी। संघर्ष के साथियों का स्नेह मिलन शीर्षक के तहत बैठक आयोजित हुई थी। तीन महीना पूरा होने पर फिर एक बार सरकार पर दबाव लाने के लिए बैठक आयोजित हुई थी। चुनाव के वर्ष में पास फिर से दबाव की राजनीति शुरू करेगा। पाटीदार आंदोलन के दौरान हुए केस वापस लेने के लिए और शहीदों के परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग कर रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने केस वापस लेने के लिए तीन महीने का आश्वासन दिया था। लेकिन फिर भी केस वापस नहीं लेने पर फिर से आंदोलन से सरकार को घेरने के लिए पास के नेता इकट्ठा हुए थे। इस बारे में जानकारी मिल रही है कि, राज्य में विधानसभा चुनाव आ रहा है तब फिर पास के नेता सक्रिय हुए हैं। अल्पेश कथीरिया के नेतृत्व में फिर से आंदोलन होने जा रहा है। जिसमें संघर्ष के साक्षी नाम से ग्रुप सम्मेलन किया जाएगा और आगामी २३ मार्च के बाद आंदोलन की नई रूपरेखा तैयार होगी। इस बार पास के नेता कोई नया केस नहीं हो इसका ध्यान रखकर आंदोलन करेंगे। यह आंदोलन का हेतु आंदोलन के समय पाटीदारों के खिलाफ हुए केस वापस लेने के लिए है। अल्पेश कथीरिया ने इस मामले में बताया है कि सीएम यह समाचार सुनकर नरेश पटेल को फोन किया था। नरेश पटेल पास ने और एक सप्ताह का समय मांगा है। नरेश भाई के मान खातिर हम आंदोलन २३ मार्च के बाद शुरू करेंगे। उन्होंने आगे बताया है कि, संवेदनशीलता बताने के लिए सरकार गलत बोल रही है। जबकि हार्दिक पटेल ने बताया है कि, आंदोलन को मेरा पूरा समर्थन है। नया कोई केस नहीं हो इसे ध्यान में रखकर हम फिर से आंदोलन करेंगे। मैं हमेशा नीडरता से लड़ा हूं। जिसमें मुझे सफलता मिली है।

त्यौहारों के पहले यात्रियों के राहत के समाचार

होली-धुलेटी त्यौहार पर एसटी अतिरिक्त की ३०० बस चलायेगी

गांधीनगर, ७ मार्च।

राज्य में कोई भी बड़ा त्यौहार आता है तब मूल शहर के बाहर के नागरिक अपने वतन में अपनों के बीच मनाने का पसंद करते हैं। कोरोना के तीन वर्ष के बाद होली-धुलेटी के त्यौहारों पर एसटी विभाग की बसों में ट्रैफिक देखने को मिलेगा। जानकारी मिल रही है कि, होली-धुलेटी त्यौहार के मौके पर अतिरिक्त की ३०० बसें चलाने का निर्णय लिया गया है। ८ से १६ मार्च तक अतिरिक्त की ३०० बसें राजकोट बस स्टैंड से चलाई जाएगी। जबकि दाहोद-गोधरा के लिए स्पेशियल २०० बसें चलेगी। श्रमिक लोगों को वतन जाने के लिए राजकोट बस स्टैंड के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। यहां उल्लेखनीय है कि गुजरात रोड ट्रांसपोर्ट सर्विस द्वारा राज्य में कहीं भी अतिरिक्त की बसों का संचालन किया जाता है। होली-धुलेटी के त्यौहारों को लेकर राजकोट स्टैंड पर बडे पैमाने पर भीड़ देखने को मिल रही है। ८ मार्च से १६ मार्च तक होली के अगले दिनों में राजकोट से अतिरिक्त ३०० बसों का संचालन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि, एक समय में लॉकडाउन में राजकोट बस स्टेशन सहित कई जगहों पर कुछ ही लोग दिखाई देते थे। इसके बाद दीवाली और होली पर यहां भीड़ देखने को मिली थी। कोरोना महामारी में होली -धुलेटी के त्यौहार आने की वजह से एसटी निगम के कर्मचारियों द्वारा प्रत्येक यात्रियों को कोविड नियमों का सख्ती से पालन करने के लिए कहा गया है। उल्लेखनीय है कि, गुजरात में अधिकतर अनुसूचित जनजाति के लोग जो कि दाहोद, गोधरा, पंचमहाल, डांग, तापी और नर्मदा जैसे क्षेत्रों में रहते हैं। वह परंपरागत तरीके से अपने वतन में होली को मनाते हैं। राजस्थान राज्य का प्रथम त्यौहार होली माना जा सकेगा। यह लोग होली मनाने के लिए वतन जाते हैं।

रास्ते में बाइक चालक के आगे आ गई शेरनी

राजकोट, ७ मार्च।

वाहन चलाते समय अचानक कोई सामने आ जाए या कोई रोड क्रॉस करता हो और वाहन के आगे आ जाए और हम अचानक ब्रेक लगाना पड़े ऐसे मामले तो आपने सुना होगा और देखा भी होगा, लेकिन जूनागढ़ के मांगरोल में एक बाइक चालक के साथ जो हुआ वह शायद आजीवन नहीं भुल सकेगा।

मांगरोल के व्यस्त रास्ते पर से जा रहे बाइकचालक की आगे कोई व्यक्ति, वाहन, गाय, बकरी या कुत्ता नहीं एक शेरनी आ गई थी। शेरनी इतनी जल्दी रोड क्रॉस कर रही थी कि बाइक चालक स्लीप हो गया।

पुलिस स्टेशन में महिला की बदमाशी

महिला पीएसआई का कॉलर पकड़कर लातें मारने लगी

दो महिलाएं आई थी और इसमें एक महिला ने आकर कहने लगी की, मेरा भाई वीकी कोली को क्यों लाये हो?

अहमदाबाद, ७ मार्च।

ऊल्टा चोर कोटवाल को डांटे इस कहावत को सार्थक साबित करता हुआ मामला शहर के बापूनगर क्षेत्र में देखने को मिला है। जहां प्रोहीबीशन के अपराध में आरोपी को पुलिस पकड़कर लाने पर महिला ने पुलिस स्टेशन को बंधक बना लिया और पुलिस के साथ हाथापाई करके धमकी देने पर महिला विरूद्ध में शिकायत दर्ज की गई है। बापूनगर पुलिस स्टेशन में, पुलिस सब इंस्पेक्टर के तौर पर ड्यूटी करते एएन. पटेल बापूनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। जिसमें उसने बताया है कि वह और उनके स्टाफ के कर्मचारी पुलिस स्टेशन में मौजूद थे इस दौरान शाम को पांच बजे दो महिलाएं पुलिस स्टेशन में आई थी और इसमें एक महिला ने आकर कहने लगी थी कि, मेरा भाई वीकी कोली को क्यों लाये हो जिसकी वजह से पीएसआई ने इसे बताया है कि, वीकी कोली सोनेरीया ब्लोक में शराब पीकर अश्लील व्यवहार करता था और इसके विरूद्ध बापूनगर पुलिस स्टेशन में प्रोहीबिशन एक्ट के अनुसार अपराध दर्ज किया गया है। यह बताते हुए यह दोनों महिला में से एक महिला ने शोर मचाया कि आपने वीकी को अक्सर गलत पकड़ा है यह कहकर पीएसआई तथा पुलिस के अन्य स्टाफ के साथ विवाद किया था। जिसकी वजह से पुलिस ने विवाद करने से मना करने पर महिला ने पीएसआई सहित के पुलिस कर्मचारियों के साथ हाथापाई की गई थी। इतना ही नहीं यह महिला ने पीएसआई का कॉलर पकड़कर लातें मारने लगी थी और धमकी दी। आपने मेरा भाई पकड़ा है आप अब किस तरीके से नौकरी करते हो यह मैं देख लूंगी। अन्य पुलिस कर्मचारियों ने यह महिला को पकड़कर इसका नाम पूछने पर छायाबहन कोली अमराईवाडी की निवासी होने का सामने आया है। हालांकि इस मामले में शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस ने पूरे मामले में आगे की जांच शुरू कर दी है।

पांडेसरा के सनसनी मां-बेटी दुष्कर्म केस का फैसला

मां-बेटी दुष्कर्म केस में आरोपी को फांसी की सजा

सूरत, ७ मार्च।

पांडेसरा मां-बेटी दुष्कर्म हत्या मामले में आज कोर्ट में फैसला आया है। सूरत कोर्ट ने आरोपियों को सजा सुना दी है। आरोपी हर्ष सहाय गुर्जर को फांसी की सजा सुनाई गई है। जबकि सह आरोपी हरिओम को आजीवन वर्ष की सजा सुनाई गई है। सरकार पक्ष ने स्पेशियल पब्लिक प्रोसिक्युटर पीएन. परमार ने दलीलें दी थी। आपको बता दें कि वर्ष २०१८ में पांडेसरा में मां-बेटी दुष्कर्म और हत्या घटना हुई थी। इस घटना में मुख्य आरोपी हर्ष सहाय के विरूद्ध ३०२, ३२३, २०१, ३७६ (२) पोस्को एक्ट के अनुसार अपराध दर्ज किया गया है। पांडेसरा में मां-बेटी दुष्कर्म और हत्या केस की जानकारी देखे तो आरोपी हर्ष सहाय रामराज गुर्जर राजस्थान से एक महिला और इसकी बेटी को ३५ हजार में खरीदकर लाया था। इसके बाद आरोपी ने दोनों को परवट पाटिया के अनुपम हाइस्ट बिल्डिंग में रखा गया था। बाद में कामरेज निकट मानसरोवर रेसिडेंसी बिल्डिंग नंबर-१७ के एक खाली फ्लैट में रहने की व्यवस्था की थी। लेकिन कुछ समय के बाद महिला और आरोपी हर्ष सहाय के बीच झगड़ा होने से महिला की बेटी की नजर के सामने हत्या कर दी थी। बाद में महिला की बेटी को आरोपी हर्षसहाय अपने घर पर ले गया था और इस पर अक्सर दुष्कर्म किया जाता था और इसकी भी हत्या की गई थी। जानकारी मिली कि रोजाना मेरे पर अत्याचार किया जाते होने से बच्ची की मौत होने पर हर्षसहाय गुर्जर ने इसके ड्राइवर हरिओम गुर्जर की सहायता से लाश को भेस्तान के फकीर क्रिकेट ग्राउंड के पास फेंक दिया था।

09 मार्च 2022 से जनशताब्दी, लोकशक्ति एवं सौराष्ट्र मेल एक्सप्रेस ट्रेन का नडियाद स्टेशन पर ठहराव

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद-एकता नगर-अहमदाबाद जनशताब्दी एक्सप्रेस, बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद लोकशक्ति एक्सप्रेस तथा मुंबई सेंट्रल-ओखा सौराष्ट्र मेल एक्सप्रेस ट्रेनों का नडियाद स्टेशन पर दिनांक 9 मार्च 2022 से 6 महीनों के लिए प्रायोगिक तौर पर ठहराव प्रदान किया जा रहा है। जिसका विवरण इस प्रकार है:-

1. ट्रेन संख्या 20947 अहमदाबाद-एकता नगर जनशताब्दी एक्सप्रेस का नडियाद स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 08.26/08.28 बजे रहेगा।
2. ट्रेन संख्या 20950 एकता नगर-अहमदाबाद जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन का नडियाद स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 22.23/22.25 बजे रहेगा।
3. ट्रेन संख्या 22927 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद लोकशक्ति एक्सप्रेस ट्रेन का नडियाद स्टेशन पर आगमन/ प्रस्थान का समय 03.07/03.09 बजे रहेगा।
4. ट्रेन संख्या 22945 मुंबई सेंट्रल-ओखा सौराष्ट्र मेल एक्सप्रेस ट्रेन का नडियाद स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान का समय 03.42/03.44 बजे रहेगा।

निस्बड ने स्टार्ट-अप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम को लागू करने के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली, 04 मार्च, 2022: राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड) - कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के अंतर्गत आने वाला एक संगठन है जिसने ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि स्टार्ट-अप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (एसवीईपी) की शुरुआत करके जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु एक स्थायी मॉडल विकसित किया जा सके।

एसवीईपी ग्रामीण विकास मंत्रालय के दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) का एक सब कंपोनेंट है। इसका उद्देश्य गैर-कृषि क्षेत्रों में ग्रामीण स्तर पर उद्यम स्थापित करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमियों का समर्थन करना है। यह साझेदारी ग्रामीण समुदाय को अपने व्यापार को स्थापित करने में मदद करेगी और उनके स्थिर होने तक पूर्ण सहायता प्रदान करेगी। यह व्यावहारिक हस्तक्षेप जनता को ज्ञान, परामर्श और वित्तीय सहायता प्रदान करेगा और ग्राम-स्तरीय सामुदायिक ढांचा बनाने में मदद करेगा।

इस साझेदारी के अंतर्गत ग्रामीण उद्यमी मुद्रा बैंक से समर्थन लेकर अपने उद्यम शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने हेतु बैंकिंग सिस्टम का उपयोग करने में सक्षम होंगे। भारत के गांवों में उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए उद्यम सलाहकार सेवाओं के साथ-साथ प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए एकीकृत आईसीटी तकनीक और उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इस परियोजना के लाभार्थी डीएवाई-एनआरएलएम के स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) पारिस्थितिकी तंत्र से हैं और यह योजना न केवल मौजूदा उद्यमों बल्कि नए उद्यमों को भी सहायता प्रदान करती है।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग, अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (सैक),
निर्माण एवं अनुरक्षण समूह (सीएमजी), विधुत एवं फायर अलार्म प्रणाली विभाग, जोधपुर टेकरा अंबावाडी विस्तार पो.ओ., अहमदाबाद - 380015
दूरभाष सं :)079) 26914912/52/31 /01, फैक्स सं.)079) 26915800

ई-निविदा सूचना सं: (i) सैक/सीएमजी/ इफएसडी /इएल/एम्/20/2021-22 एवं दि. : 04.03.2022
(ii) सैक/सीएमजी/ इफएसडी /इएल/एम्/21/2021-22 एवं दि. : 04.03.2022

ई-निविदा आमंत्रण हेतु संक्षिप्त सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा माध्यम से ओनलाईन मद-दर निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा में दी गई अनुमानित लागत	कार्य पूरा होने की अवधि	निविदा दस्तावेज डाउनलोड करने की अवधि	निविदा पाने की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा खुलने की अंतिम तिथि एवं समय	बयाना राशि जमा (ई.एम.डी.) (₹)
1	सैक परिसर, अहमदाबाद में भूमिगत केबल को पुनः प्रापत करने तथा बिछाने के लिए प्रतिशत दर संविदा-विधुतकार्य।	₹22.15 लाख	02 साल	09.03.2021 (10.00 बजे) से 16.03.2022 (17:00 बजे) तक	21.03.2021 को 17:00 बजे तक	23.03.2022 को 11:00 बजे के बाद।	₹ 44,300.00
2.	तकनीकी क्षेत्र, आवासीय क्षेत्र और न्यू बोपल परिसर, सैक, अहमदाबाद में भूमिगत केबल का रखरखाव और विविध विधुत कार्यों के लिए प्रतिशत दर संविदा।	₹20.42 लाख	02 साल				₹ 40,840.00

2. निविदा दस्तावेज निविदाविजार्ड के साथ पंजीयन तथा निविदा प्रक्रिया शुल्क का भुगतान करते हुए ई-निविदा वेबसाईट www.tenderwizard.com/ISRO से निर्धारित अवधि के दौरान डाऊनलोड किए जा सकते है | विक्रेता के पंजीयन करने की प्रक्रिया इस वेबसाईट में प्रदर्शित की गई है | निविदा प्रक्रिया शुल्क मेसर्स. आईटीआई लि. को ई-गेटवे के माध्यम से भुगतान करे |

3. अर्हता मापदंड एवं अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार निविदा आमंत्रण हेतु विस्तृत सूचना (एन.आई.टी.) वेबसाइट www.isro.gov.in या www.sac.gov.in साथ ही www.tenderwizard.com/ISRO के टेन्डर फ्री व्यू में देख सकते है

समूह प्रधान, सीएमजी/सैक

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95